दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ | 2 | मध्यप्रदेश | 4 | अभिव्यक्ति | 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2017 /72749 भोपाल, रविवार 15 फरवरी 2026 , कृष्ण पक्ष त्रयोदशी , विक्रम संवत -2082 , वर्ष -9 अंक -264 पृष्ठ -08 मूल्य-4 भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

बुरहानपुर में होगी एग्रीकल्चर बेस्ड रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव : सीएम यादव

बुरहानपुर में बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका,

केला उत्पादकों के लिए स्थापित होगी वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण इकाई

बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों को होगा बकाया राशि का भुगतान

मुख्यमंत्री ने विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर किया अवलोकन

बुरहानपुर जिले को मिली 696.37 करोड़ रुपए के 80 विकास कार्यों की बड़ी सौगात

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का चहुंमुखी विकास ही सरकार का एकमात्र लक्ष्य है। आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सबको साथ और विश्वास में लेकर हम ऐसे नये मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे, जहां विकास केवल अवसर नहीं, यहां के हरेक नागरिक का अधिकार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बुरहानपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 696 करोड़ 37 लाख रुपये लागत के 80 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर बुरहानपुर जिले के समग्र विकास को नई गति दी। उन्होंने कहा कि आज जिन कार्यों की सौगातें मिली हैं, ये जिले को आधुनिक, विकसित और आत्मनिर्भर

बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर में नर्मदेश्वर अखंड शिवलिंग की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास का प्रकाश प्रदेश के हर कोने, हर गली-मोहल्ले तक पहुंचे, इसी मूल संकल्प के साथ हमारी सरकार सबको साथ और विश्वास में लेकर आगे बढ़ रही है। सरकार अधोसंरचनात्मक और जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता देकर प्रदेश के विकास की गति में निरंतर तेज़ी ला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर का विकास हमारी प्राथमिकता में है। हमने इस जिले को विकसित और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया है, जिले की जनता की भागीदारी से हम इसे सिद्ध करेंगे, आने वाला समय इसका साक्षी बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर के नेहरू स्टेडियम में दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों की 2 वर्ष की उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की। उन्होंने बुरहानपुर में केला उत्पादक किसानों के हित में वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण के लिए इकाई स्थापित करने, बुरहानपुर में कृषि आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में नगर परिषद ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

संसद के बजट सत्र का पहला चरण हंगामे के साथ शुरू होकर हंगामे के साथ ही निपट गया। जिसमें एक दूसरे पर जमकर कीचड़ उछाले गए। गालीगलौज भी हुई। जब हंगामा खड़ा करना ही मकसद हो तो ये सब होना स्वाभाविक है। न तो राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विस्तृत चर्चा हुई न ही बजट पर सार्थक बहस हुई। गनीमत है बजट पारित हो गया। पूरे सत्र के दौरान गजब तमाशा चलता रहा। काम कौड़ी का भी न हुआ और सत्र के नाम पर करोड़ों रुपये फूंक दिए गए। माननीयों का क्या, उनकी तो रोजीरोटी पक गई। जय हो जोकतंत्र की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को सिंगल क्लिक से जारी किए 1836 करोड़ रुपए

बहनों को प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूहों से जोड़ना और मेहनत की सही कीमत देना हमारी प्राथमिकता : सीएम यादव

बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, एक बगिया मां के नाम और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर बढ़ा रही हैं आय

प्रदेश में 5 लाख स्व-सहायता समूह की 62 लाख बहनें हुई आत्मनिर्भर

खंडवा में 255 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 352.41 करोड़ के 11 विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

खंडवा को मिली 301 करोड़ लागत से निर्मित भाम सिंचाई परियोजना की सौगात

मुख्यमंत्री ने पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का किया शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, अन्नपूर्णा हैं, उनके लिए जितना करें, उतना कम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार सदैव नारी कल्याण के लिए दृ? संकल्पित है। सनातन संस्कृति में नारी का स्थान सर्वोपरि है। महा शिवरात्रि के पावन पर्व से पहले प्रदेश की लाड़ली बहनों को 1500 रुपए सम्मान राशि की अद्भुत सौगात मिल रही है। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में हमारी प्राथमिकता है कि बहनों को प्रशिक्षण मिले, उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए और मेहनत की सही कीमत मिले। बहनें एक बगिया मां के नाम योजना और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। हमारी बहनें लखपति दीदी के साथ अब ड्रोन दीदी भी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 5 लाख स्व-सहायता समूह के माध्यम से अब तक 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना में ला?ली बहनों को योजना की 33वीं किस्त की सौगात देने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1.25 करो? से अधिक ला?ली बहनों के खातों में 1836 करो? रुपए अंतरित किए। इस योजना में अब तक ला?ली बहनों को 52,304 करो? रुपए की राशि दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन के बाद दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और लाड़ली बहनों पर पुष्प वर्षा कर प्रदेश के कल्याण के लिए उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर खंडवा के चहुंमुखी विकास के लिए 608 करोड़ रुपए से अधिक के 13 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें 255 करो? रुपए लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 353.82 करो? लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले में 301 करोड़ लागत की निर्मित भाम सिंचाई परियोजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रयोगशाला और पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति नारी प्रधान है। घर में माताओं-बहनों के हाथ में पैसे आएं तो वे उन्हें परिवार की सुख समृद्धि में लगाती हैं। बहनों की जिंदगी बदलने के लिए हमारी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार कपास आधारित ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मोदी वायुसेना के एयरक्राफ्ट से असम के हाईवे पर उतरे

गुवाहाटी(ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गुवाहाटी में कहा- कांग्रेस ने देश को खतरे में डालकर रखा था। कांग्रेस ने जब भी सेना के लिए हथियार खरीदे, उसका मतलब हजारों करोड़ का घोटाला था। उन्होंने कहा- आज की कांग्रेस ऐसे लोगों और विचारों का साथ दे रही है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। जो लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं या ऐसे नारे लगाते हैं, वे कांग्रेस के लिए सम्मानित बन गए हैं।

पीएम पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे थे। इसके बाद वे वायुसेना के सी-130 एयरक्राफ्ट से डिब्रूगढ़ पहुंचे। प्लेन ने यहां मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर लैंडिंग की। मोदी ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री बने।

■ ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री, बोले- देश का बुरा सोचने वाले को कांग्रेस कंधे पर बैठाती है

■ मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर उतरा पीएम का विमान

मोरन बाइपास चाइना बॉर्डर से लगभग 300 किमी दूर

पीएम मोदी का प्लेन आज सुबह करीब 10 बजे मोरन बाइपास पर बनी ईएलएफ पर उतरा। यह एयरस्ट्रिप सैन्य रणनीति के लिए अहम है। यह इलाका चाइना बॉर्डर से लगभग 300 किमी दूर ही है। मोरन हाईवे पर पीएम की मौजूदगी में राफेल, सुखोई समेत 16 लड़ाकू विमान एरियल शो किया। इस दौरान विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ करके दिखाया। डेमो 30 मिनट तक चला। पीएम ने इसके बाद ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मन सेतु और आईआईएम गुवाहाटी के टेंपरेरी कैंपस का उद्घाटन किया। पीएम मोदी का यह पिछले ■ शेष पृष्ठ 8 पर

न्यूज गैलरी

रायपुर में इंडिगो की रफ लैंडिंग, टला हादसा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर शनिवार (14 फरवरी) को एक बड़ा हादसा होने से टल गया। भोपाल से रायपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6E 7302 दोपहर 2.40 में लैंड हुई, इस दौरान फ्लाइट रनवे पर टच होते ही उछल गई। हालांकि पायलट ने सूझबूझ और अनुभव से विमान की सुरक्षित और रफ लैंडिंग कराई।

साध्वी बाईसा की हार्ट अटैक से हुई थी मौत

जोधपुर(ए.)। कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत हार्ट अटैक से हुई थी। जोधपुर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने यह खुलासा शनिवार शाम किया है। कमिश्नर ने बताया- मेडिकल बोर्ड की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार साध्वी की मौत का मुख्य कारण फेफड़ों की गंभीर बीमारी के चलते आया हार्ट अटैक था। जांच में यह भी सामने आया है कि इलाज के दौरान कंपाउंडर देवी सिंह की ओर से नियमों की अनदेखी की गई।

विमान में बम है, टेकऑफ से पहले पायलट को मिली पर्ची, मचा हड़कंप

कोलकाता/ए.। कोलकाता एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान की उड़ान से ठीक पहले पायलट को एक ऐसी पर्ची मिली जिसके बाद हड़कंप मच गया। तुरंत विमान को खाली करवाया गया। जानकारी के मुताबिक इस पर्ची में विमान को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। विमान को खाली कराए जाने के बाद जांच-पड़ताल की जा रही है। एयरपोर्ट पर भी हाई अलर्ट घोषित किया गया है।

इंडिगो का 6श्व3074 विमान सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हाई अड्डे से शिलॉन्ग के लिए उड़ान भरने वाला था। वहीं बम की धमकी मिलने के बाद इसे आईसोलेशन बे में ले जाया गया। बोर्डिंग के दौरान ही पायलट टॉइलेट में एक पर्ची मिली। इसमें लिखा था कि विमान के अंदर बम है। इसके बाद यात्रियों को तुरंत विमान से उतारा गया। इस बात की जानकारी मिलने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

चेतावनी के बाद विमान को एक अलग जगह पर ले जाया गया और सभी यात्रियों को उतार दिया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की तलाशी शुरू की। हवाई अड्डा के अधिकारियों ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि विमान में नोट किसने रखा।

दुर्ग में सीआईएसएफ जवान ने की आत्महत्या

भिलाई/नवप्रदेश। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र अंतर्गत सीआईएसएफ आरटीसी में पदस्थ जवान मुकेश सिंह (27 वर्ष) ने गुरुवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह उनका शव आरटीसी कैंप के भीतर साइकिल स्टैंड के पास पार्किंग क्षेत्र में फंदे पर लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जिला अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक जवान मुकेश सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के रहने वाले थे। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

चुनी हुई सरकार को काम नहीं करने दे रहा हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट नाराज, चेतावनी भी दी

नई दिल्ली/ए.। हिमाचल प्रदेश में स्थानीय निकायों के चुनावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने राज्य सरकार को राहत देते हुए चुनावों के लिए समय सीमा को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। अब यह चुनाव 31 मई, 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही हाईकोर्ट की दखलअंदाजी पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी भी जताई।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा राज्य सरकार के फैसलों में बार-बार किए जा रहे हस्तक्षेप पर नाराजगी जताई। मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हाईकोर्ट निर्वाचित सरकार को काम नहीं करने दे रहा है। सर्वोच्च ■ शेष पृष्ठ 6 पर

क्या कहा कोर्ट ने?

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर की, लेकिन उसने हाईकोर्ट के उस फैसले का समर्थन किया जिसमें उसने सीमांकन प्रक्रिया का हवाला देकर चुनावों को टालने के हिमाचल सरकार के अनुरोध को खारिज कर दिया था। पीठ ने स्पष्ट करते हुए कहा, ''सीमांकन अभ्यास का लंबित होना चुनावों को स्थगित करने का आधार नहीं हो सकता। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि संवैधानिक रूप से शहरी स्थानीय निकायों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के लिए समय पर चुनाव कराना अनिवार्य है।

कोर्ट जा रहे वकील को गोली मारी, मध्य प्रदेश में दिनदहाड़े मर्डर

भोपाल/ए.। मध्य प्रदेश में कोर्ट जा रहे एक वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घात लगाकर बैठे हमलावरों ने इस घटना को अंजाम दिया। दिनदहाड़े हुई इस हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने जमीनी विवाद के चलते चार लोगों पर हत्या करने का शक जताया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब किले के पीछे आनंद सागर मंदिर के पास सिद्धन रोड पर करैरा कोर्ट जा रहे एडवोकेट संजय कुमार सक्सेना की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

गरमा-गरम

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा की सौजन्य भेंट

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने शनिवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल का प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

सीएम यादव से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा ने की सौजन्य भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने शनिवार देर शाम समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

नोएडा में वैलेंटाइन-डे पर खौफनाक वारदात, कार में मिला कपल का शव

■ लड़की को मारी गोली फिर खुद को उड़ाया

नोएडा /ए.। नोएडा के सेक्टर 39 छात्रा क्षेत्र से खौफनाक घटना सामने आई है। वैलेंटाइन डे पर यहां एक कार से एक लड़का और लड़की के शव बरामद हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार का शीशा तोड़कर दोनों शवों को बाहर निकाला।

पुलिस को कार से एक पिस्टल भी बरामद हुई । अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक मामला हत्या और आत्महत्या का है। पहले लड़के ने लड़की को गोली मारी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। कार के अंदर से दो खोखे और पिस्टल मिले हैं। स्थानीय लोगों मे पुलिस को मामले की सूचना दी थी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार का शीशा तोड़कर दोनों शवों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान त्रिलोकपुरी के सुमित और सलारपुर की रेखा देवी के रूप में हुई है।

15 साल से थे रिश्ते में: रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है जिसमें उसने लिखा है कि वह और महिला पिछले 15 सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और महिला ने उससे शादी करने का वादा किया था।

न्यूज गैलरी

मई 2026 से प्रारंभ होगी देश जनगणना प्रक्रिया देश की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी जनगणना 2027

दो चरणों में होगा पूरा जनगणना कार्यक्रम संपन्न जिले में 16 एवं 17 फरवरी को किया जाएगा प्रथम चरण के लिए प्रशिक्षण सत्र

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। 1 मई से देश में जनगणना का प्रथम चरण प्रारंभ हो जाएगा। 2027 जनगणना देश की प्रथम ऐसी जनगणना होगी जिसमें डिजिटल माध्यम से तथा मोबाइल एप्लीकेशन एवं आधुनिक तकनीक का उपयोग कर आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। जनगणना 2027 दो चरणों में संपादित की जाएगी जिसमें प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक आयोजित होगा तदुपरांत फरवरी 2027 में द्वितीय चरण संपादित किया जाएगा। जनगणना 2027 के तहत आंकड़ों के प्रभावी संकलन के लिए देश में प्रथम बार डिजिटल टूल्स का उपयोग कर जानकारी संकलित की जाएगी जिससे पूरी प्रक्रिया के तहत सटीक एवं व्यवस्थित डेटा संकलन को सुनिश्चित किया जाएगा। जिले में भी जनगणना 2027 के तहत कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी सुश्री सोनिया मीना के निर्देश अनुसार जनगणना कार्यक्रम में संलग्न होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारी के लिए प्रशिक्षण एवं अन्य तैयारियों को प्रारंभ कर दिया गया है। उक्त संबंध में 16 एवं 17 फरवरी को जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा जिसमें जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी। इस दौरान जिले के समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारी (तहसीलदार), (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) चार्ज जनगणना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी को प्रशिक्षित किया जायेगा। आगामी जनगणना वर्ष 1872 से सोलहवीं एवं स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी जिससे संबंधित विभिन्न क्रियाकलापों का निष्पादन जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के तहत किया जाता है। इस दौरान प्राप्त व्यक्तिगत जानकारियां पूर्णतः गोपनीय होती है और इसे किसी अन्य के साथ साझा नहीं किया जाता% साथ ही एकत्रित की गई व्यक्तिगत जानकारी को कहीं पर भी साक्ष्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है। जनगणना 2027 के प्रगणक, पर्यवेक्षक या कोई अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के ओटीपी या बैंक डिटेल्स की मांग नहीं की जाएगी। जनगणना 2027 देश की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी जिसमें एप्लीकेशन के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। जनगणना के समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग सेन्सस् मेनेजमेन्ट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, निवासियों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वगणना वेब पोर्टल विकसित किया जाएगा। जनगणना 2027 दो चरणों में संपादित की जाएगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकान की गणना की जाएगी। द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी। जनगणना का कार्य निर्धारित समय सीमा में किया जाएगा। समय सीमा में किसी भी प्रकार का विस्तार या परिवर्तन नहीं किया जाएगा। जनगणना 2027 का प्रथम चरण 1 से 30 मई-26 तक आयोजित होगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 का दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। जनगणना 2027 में स्व गणना पोर्टल (स श्व), मोबाइल ऐप (HLO APP) के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। इसी क्रम में मकान सूचीकरण ब्लॉक क्रिएटर (HLBC) वेब पोर्टल के माध्यम से मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन किया जाएगा। जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली (CMMS) पोर्टल के माध्यम से मैनेजमेंट एवं मॉनिटरिंग की जाएगी। जनगणना डिजिटल माध्यम से होनी है तो डिजिटल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाएगा। घर-घर जाकर घर, मकान एवं व्यक्ति की गणना करेंगे। जनगणना 2027 की अधिसूचना जारी की जा चुकी है, इसके अंतर्गत नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, प्रशासनिक इकाइयों की फ्रीजिंग, राज्य शासन के विभिन्न स्तर पर जनगणना पदाधिकारी की नियुक्ति एवं जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण की अधिसूचना के साथ पूछे जाने वाले 33 प्रश्न भी जारी किये जा चुकी है।

वन अपराधों की प्रभावी रोकथाम एवं न्यायालयीन प्रकरणों हेतु कार्यशाला आयोजित

झाबुआ/नवप्रदेश। सामान्य वनमण्डल झाबुआ अंतर्गत रेंज झाबुआ, थांदला एवं पेटलावद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए वन अपराधों के अन्वेषण, जांच तथा न्यायालयीन कार्यवाही के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन वन विद्यालय झाबुआ में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ वनमण्डलाधिकारी झाबुआ श्री भारत सोलंकी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर हाल ही में दुर्घटना में स्वर्गवासी हुए वनपाल श्री बापू सिंह बिलवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यशाला में कार्ययोजना क्रियान्वयन, अवैध अतिक्रमण, अवैध उत्खनन, अवैध कटाई एवं अवैध चराई जैसे वन अपराधों के प्रकरणों की विवेचना, जांच एवं प्रभावी न्यायालयीन प्रस्तुतिकरण के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वनमण्डलाधिकारी श्री सोलंकी ने विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि क्षेत्रीय कर्मचारियों के लिए विधिक प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं का समुचित ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, जिससे प्रकरण न्यायालय में सुदृढ़ रूप से प्रस्तुत किए जा सकें। जिला लोक अभियोजन अधिकारी सुश्री सूरज बैरागी ने न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले वन अपराध प्रकरणों में प्रायः होने वाली त्रुटियों, प्रकरण पंजीयन की प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन, बयान दर्ज करने की विधि, परिवाद प्रस्तुत करने की

बैतूल नगर में अंडर ब्रिज तथा अन्य स्टेशनों पर ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की अहम बैठक

हरदा/नवप्रदेश। जनजातीय बहुल बैतूल संसदीय क्षेत्र में रेल एवं बुनियादी ढांचा संबंधी समस्याओं को लेकर केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से संसद भवन नई दिल्ली में विस्तृत बैठक कर क्षेत्र की जनता की आवाज को मजबूती से रखा।

बैतूल में अंडर ब्रिज को शीघ्र स्वीकृति देने की मांग

बैठक की शुरुआत में श्री उइके ने बैतूल शहर में यातायात की सबसे गंभीर समस्या रेलवे अंडर ब्रिज को सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय बताया। उन्होंने बैतूल-मरामझिरी रेल खंड के किलोमीटर 850/240 पर सदर क्षेत्र में प्रस्तावित अंडर ब्रिज तथा बैतूल रेलवे मालगोदाम के नागपुर सिरे पर माचना नदी (रामनगर की ओर) स्थित अंडर ब्रिज को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग रखी। उन्होंने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से कहा कि इन अंडर ब्रिजों के अभाव में शहर रोड़ जाम से जूझ रहा है, एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाएं बाधित हो रही हैं तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। जबकि दोनों प्रस्ताव मंडल एवं जोनल स्तर से जीएडी स्वीकृति के साथ रेलवे बोर्ड को भेजे जा चुके हैं।

मुलताई रेलवे स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग

श्री उइके ने इसके बाद मुलताई रेलवे स्टेशन की वर्षों से हो रही उपेक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि धार्मिक, सामाजिक एवं व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मुलताई नगर को आज भी पर्याप्त रेल ठहराव से वंचित रखा गया है। उन्होंने अमरावती-जबलपुर एक्सप्रेस, ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस एवं जयपुर-चेन्नई एक्सप्रेस के मुलताई स्टेशन पर ठहराव की मांग रखते हुए कहा कि यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास का प्रश्न है।

बैतूल रेलवे स्टेशन को क्षेत्रीय हब बनाने की मांग

बैठक में श्री उइके ने बैतूल रेलवे स्टेशन को क्षेत्रीय रेल हब के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस, पूरी हमसफर एक्सप्रेस, आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस एवं भगत की कोठी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग रखी। साथ ही अमरावती सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं नरखेड़ इंटरसिटी एक्सप्रेस को बैतूल तक विस्तारित करने का प्रस्ताव रखा, जिससे बैतूल सीधे देश के प्रमुख शहरों से जुड़ सके।

श्री उइके ने घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर अमरावती-जबलपुर एक्सप्रेस एवं नागपुर-इंदौर एक्सप्रेस के ठहराव की मांग रखी। इसके साथ ही आदिवासी बहुल बरबटपुर एवं ढोढरामोहार रेलवे स्टेशनों पर पेंचवेली एक्सप्रेस के ठहराव की मांग करते हुए कहा कि इससे दूरदराड़ के गांवों के लोगों को आवागमन में परेशानी से निजात मिलेगी। श्री उइके ने आमला रेलवे स्टेशन पर समता एक्सप्रेस, सिकंदराबाद एक्सप्रेस, जयपुर-चेन्नई एक्सप्रेस, मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस, सेवाग्राम एक्सप्रेस (सीएमएसटी-नागपुर रूट का आमला तक विस्तार) तथा पूरी-जोधपुर एक्सप्रेस के ठहराव/विस्तार की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इन ट्रेनों के ठहराव से आमला सहित आसपास के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के यात्रियों को सीधी और सुगम रेल सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही श्री उइके ने आमला रेलवे स्टेडियम एवं रेलवे पार्क के नवीनीकरण की मांग उठाते हुए कहा कि यह स्थान स्थानीय खिलाड़ियों, युवाओं और परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन लंबे समय से उपेक्षा का शिकार रहा है। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि आमला में रेलवे की उपलब्ध रिक्त भूमि पर सोलर पावर जनरेशन प्लांट अथवा कोच फैक्ट्री की स्थापना की जाए, जिससे न केवल रेलवे को लाभ होगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। दादाधाम इंटरसिटी बंद होना जनता के साथ अन्याय है।

तीन दिवसीय कृषि मेले का समापन मेले के तीसरे दिन मिलेट ब्रांडिंग गैलरी रही आकर्षण का केंद्र

धार/नवप्रदेश। तीन दिवसीय कृषि मेले के तीसरे दिन मिलेट ब्राडिंग गेलरी का आयोजन किया गया। गेलरी में श्रीअन्न ज्वार, बाजरा, कोदो-कुटकी, रागी के बीज एवं श्रीअन्न से बने विभिन्न पदार्थ जैसे पापड़, खाखरा, नुडल्स, पोहा, परमल, बिस्कीट आदि का प्रदर्शन कर कृषकों को प्रसंस्करण के बाद कीमत से कैसे तीन गूना लाभ प्राप्त किया जा सकता है कि जानकारी दी गई। इसी क्रम में उप संचालक कृषि श्री ज्ञानसिंह मोहनिया द्वारा गर्मी की फसल जिन किसानों के पास सिंचाई की सूविधा है वह मुंगफली, तिल, बाजरा, उड़द, मुंग की बोनी कर उत्पादन प्राप्त करने को कहा साथ ही खरीफ में लम्बे रेशे के कपास का उत्पादन हाई डेनसिटी पद्धति से बोकर अधिक उत्पादन एवं गुणवत्ता युक्त कपास उत्पादन पर फोकस किया गया। सीमा कोटन एसोसिएशन अनुसंधान के माध्यम से लम्बे रेशे के कपास की मांग शासन से लक्ष्य प्राप्त कर कृषकों को कपास का बीज उपलब्ध कराया जाएगा। इसी के साथ ही सभी किसान भाईयों कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टेक से जुडकर फार्म आईडी बनाने का आग्रह कर समझाइश दी गई। मेले के तकनिकी सत्र में कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. चौहान वरिष्ठ एवं प्रमुख वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र धार द्वारा कृषकों को मिट्टी परीक्षण अनिवार्य रूप से कराने एवं मृदा परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर उर्वरक उपयोग की सलाह दी गई। श्रीमती संगीता तोमर सहायक संचालक कृषि द्वारा आयोजित मिलेट गेलरी में कृषकों को ज्वार, बाजरा, कोदो-कुटकी, रागी के अनाज से विभिन्न पदार्थ जैसे पापड़, खाखरा, नुडल्स, पोहा, परमल, बिस्कीट आदि भी बनाकर कृषकों को प्रसंस्करण के बाद तीन गूना लाभ कैसे प्राप्त किया जा सकता की जानकारी दी गई। श्रीमती अंकिता पाण्डे वरिष्ठ तकनिकी अधिकारी कृषि प्रसार कृषि विज्ञान केन्द्र धार द्वारा मिलेट में उपलब्ध पौषक तत्व एवं मिलेट खाने के फायदे के बारे में बताया गया। श्री संतोष पाटीदार वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी द्वारा कृषकों को पीपीटी के माध्यम से उर्वरक ई-कृषि प्रणाली की जानकारी विस्तृत में समझाई गई। श्री विवेक बार्चे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी द्वारा मिलेट गेलरी आर्कषक प्रदर्शिनी लगाई गई। अभियांत्रिकी सहायक श्री अभिषेक अग्रवाल द्वारा आगामी रबी में उन्नत कृषि कटाई यंत्रों से ही फसल काटकर नरवाई प्रबंधन करना है नरवाई जलाने से पर्यावरण प्रदुषण एवं मृदा स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ता है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है इसलिए नरवाई नहीं जलाना है एवं वैकल्पिक उपायों को अपना कर नरवाई प्रबंधन करना है पर्यावरण एवं मृदा स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सब का कर्तव्य है। सहायक मत्स्य निरीक्षक श्री बर्मन द्वारा मत्स्य उत्पादन एवं अधिक उत्पादन देने वाली मछली के बीजों का उपयोग कर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। सहायक उद्यानिकी विस्तार अधिकारी श्री अंकिता सोलंकी द्वारा उद्यानिकी विभाग में संचालित विभिन्न योजना जैसे एम.आई.डी.एच. प्रधानमंत्री सूक्ष्म लघु उन्नयन योजना, संरक्षित खेती एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई की जानकारी दी गई। मेले में भारतीय किसान संघ के प्रदेश मंत्री श्री राजेन्द्र शर्मा द्वारा विभाग द्वारा एक साथ विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई एवं प्रदर्शिनी के माध्यम से कृषकों को प्रचार-प्रसार किया गया। भारतीय किसान संघ के श्री महेश ठाकुर मालया प्रान्त मंत्री एवं श्री अमोल पाटीदार जिला मंत्री उपस्थित रहे।

कमिश्नर पहुंचे किसानों के बीच, टेल क्षेत्र में नहरों से होने वाली सिंचाई एवं नरवाई प्रबंधन का लिया फीडबैक

मूंग के विकल्प के रूप में अन्य फसल लगाने एवं नरवाई का उचित प्रबंधन करने के लिए किसानों को दी समझाइश नहरो को पूरे फ्लों से चलाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी सिवनी मालवा के ग्राम रतवाडा पहुंचे, नहर का पानी सिंचाई के लिए किसानों के खेतों तक पहुंच रहा है कि नहीं तथा किसान नरवाई का किस तरह प्रबंधन कर रहे हैं इसका फीडबैक लिया। कमिश्नर ने मौके पर ही सभी किसानों से मूंग फसल के संबंध में आवश्यक जानकारी ली और किसानों को समझाइश दी कि वह मूंग की फसल लगाने की बजाय मूंग के विकल्प के

रूप में अन्य फसल को लगाने के लिए प्रेरित हो। ग्राम रतवाडा में कृषकों ने कमिश्नर को अवगत कराया की मूंग की फसल कम अवधि की है जो किसानों के लिए फायदेमंद है, वहीं अन्य फसल या उड़द की फसल का क्राफ्ट टाइम 60 से 70 दिनों का है इसलिए वे मूंग की फसल लगाते हैं। कमिश्नर ने किसानों को समझाइश दी कि मूंग की फसल लगाने से पहले किसान अपने खेतों को साफ करने एवं नरवाई को हटाने के लिए अत्यधिक मात्रा में सफाया का उपयोग करते हैं जो की जमीन के लिए हानिकारक है इससे जमीन के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इसे नहीं रोका गया तो आने वाले समय में जमीन अनु उपजाऊ हो जाएगी और मूंग की फसल में अत्यधिक कीटनाशकों का प्रयोग होने के कारण मूंग हानिकारक हो जाता है। किसानों ने कहा कि यदि उन्हें शासन से बेहतर विकल्प मिले और कम समय में लगने वाली फसल का विकल्प मिले तथा नहर से पर्याप्त मात्रा में सिंचाई के लिए पानी मिले तो वे सभी मूंग की बजाय दूसरी फसल लगाने के लिए तैयार हैं। कमिश्नर ने तवा की मुख्य नहरों से खेतों की सिंचाई के लिए मिलने वाले पानी की स्थिति की जानकारी ली।

डीजे व तेज ध्वनि पर सख्ती, त्योहारों में शांति-सद्भाव बनाए रखने के निर्देश

गुना/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी तीन माह में होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं समन्वित संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक गुना श्री पन्नालाल शाक्य, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी, अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन,उपवन मंडल अधिकारी श्री नीरज निश्चल (भा.व.से.) सहित समिति सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि जिले की पहचान एक शांतिप्रिय व विकसित जिले के रूप में बनी है। आगामी त्योहारों के दौरान प्रशासन व नागरिक मिलकर शांति और सद्भाव बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने हाल में दो श्रमिकों को मुक्त कर सहायता राशि प्रदान किए जाने और एक बालिका के गले में सिक्का फंसने जिसको कल सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया गया। जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रशासन सतत तत्पर है। इस संबंध में एसडीएम एवं थाना स्तर पर भी आवश्यक बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आगामी मेलों व आयोजनों को लेकर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सभी प्रमुख आयोजनों व चल समारोहों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा संवेदनशील स्थलों पर सिविल ड्रेस में भी पुलिस कर्मी लगाए जाएंगे। समिति सदस्यों ने जुलूस मार्ग पूर्व निर्धारित करने, जयस्तंभ चौराहा क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने, होलिका दहन का समय तय करने तथा तेज ध्वनि वाले डीजे पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के सुझाव दिए। विधायक श्री शाक्य ने भी डीजे पर नियंत्रण, समय-सीमा का पालन तथा नियम उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की

केरल के दल ने विधानसभा अध्यक्ष तोमर से की उनके निवास पर चर्चा

शहर विकास के कार्यों के साथ-साथ गौशाला का भी किया अवलोकन

ग्वालियर/नवप्रदेश। ग्वालियर शहर में केरल के जनप्रतिनिधियों का एक दल भ्रमण कर शहर विकास के कार्यों का अवलोकन कर रहा है। दल द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ शनिवार को नगर निगम द्वारा संचालित आदर्श गौशाला लाल टिपारा का भी अवलोकन किया। केरल का यह दल दो दिवस तक शहर में भ्रमण कर शहर की ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन करने के साथ-साथ आमजनों के हितार्थ शासन द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी अवलोकन

करेगा। केरल से आए जनप्रतिनिधियों के दल ने शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के निवास पर जाकर उनसे भेंट की तथा मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किए जा रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही ग्वालियर-चंबल संभाग के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की। यह दल नगर निगम द्वारा संचालित आदर्श गौशाला लाल टिपारा भी पहुँचा। उन्होंने गौशाला में निराश्रित गायों की देखभाल के कार्यों का अवलोकन किया एवं संत लोगों से विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा गौशाला परिसर में संचालित सीएनजी प्लांट का भी अवलोकन किया। केरल से आए दल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर निगम द्वारा निर्मित किए गए सागरताल स्थित आवासों का भी अवलोकन किया एवं निवास कर रहे नागरिकों से चर्चा की। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के संचालन का भी अवलोकन किया। दल द्वारा ग्वालियर के ऐतिहासिक दुर्ग पर संचालित लाइट एण्ड साउण्ड कार्यक्रम का भी अवलोकन करने के साथ-साथ ग्वालियर किले का भ्रमण भी किया। केरल से आया यह दल 15 फरवरी को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के निवास स्थान शिंदे की छावनी पहुँचकर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही संचालित लाइब्रेरी का भी अवलोकन करेंगे। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी द्वारा ग्वालियर में संचालित कंट्रोल कमाण्ड सेंटर का अवलोकन करेंगे। केरल से आया जनप्रतिनिधियों का दल रविवार को ग्वालियर के जलविहार में संचालित परिषद भवन का भी अवलोकन करेगा। इसके साथ ही परिषद संचालन के संबंध में

अटल सेवा केंद्रों के संचालन की समीक्षा बैठक आयोजित

अगरा, चेटीखेडा, दाउदपुर एवं नदांपुर में भी शुरू होगे सीएससी सेंटर

श्योपुर/नवप्रदेश। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद की अध्यक्षता में जिला पंचायत श्योपुर के सभागार में आज अटल सेवा केंद्र संचालकों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएससी के राज्य प्रबंधक श्री अतुलित राय, डीजीएम श्री धर्मेन्द्र मीणा, डीपीएम आरजीएसए श्री उदय सिंह धाकड़, वर्टिकल हेड सीएससी श्री सागर गुप्ता, जिला प्रबंधक सीएससी श्योपुर श्री विनोद कुशवाह आदि उपस्थित रहें। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत अगरा, चेटीखेड़ा, दाउदपुर एवं नंदापुर हेतु सीएससी अटल सेवा केंद्र शुरू करने क लिए अधिकृत लेटर प्रदान किये गये। इस अवसर पर सीएससी की ओर से वर्ष 2026 हेतु वार्षिक कैलेंडर का विमोचन कर संचालकों को वितरित किया गया। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद ने बैठक में अटल सेवा केंद्रों

के माध्यम से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं आयुष्मान कार्ड, पीएमएसवायएम, समग्र, ई-केवायसी, बैंकिंग सेवाएं, टेली-लॉ, ई-उपार्जन, फसल बीमा, पीएम किसान रजिस्ट्रेशन, फार्मर रजिस्ट्री एवं बीमा-पेंशन योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे इन सेवाओं का अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी अटल सेवा केंद्र संचालक अपनी-अपनी ग्राम पंचायत में नियमित एवं स्थायी रूप से उपस्थित रहकर कार्य करें। पंचायत में अनुपस्थित पाए जाने वाले संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी तथा संचालन निरस्त करते हुए अन्य पात्र एवं सक्रिय व्यक्तियों को अवसर प्रदान किया जाएगा। वर्तमान में जिले की कुल 39 ग्राम पंचायत भवनों में कॉमन सर्विस सेंटर संचालित हैं, जनपद पंचायत कराहल की 2 ग्राम पंचायतों, जनपद विजयपुर की 16 ग्राम पंचायतों एवं जनपद श्योपुर की 21 ग्राम पंचायतों में यह केन्द्र संचालित है। इन केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को 53 प्रकार की ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इन सेवाओं के अंतर्गत विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित आवेदन, प्रमाण-पत्र, पंजीयन, बिल भुगतान, बैंकिंग सुविधाएं एवं अन्य डिजिटल सेवाएं ग्रामीण नागरिकों को उनके गांव में ही सुलभ कराई जा रही हैं, जिससे समय एवं संसाधनों की बचत के साथ पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो रही है।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में गौ कथा का दिव्य समापन, धर्म व गौ संरक्षण का लिया संकल्प

भोपाल/नवप्रदेश। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में स्थित श्री रेवासा धाम एवं श्री वृंदावन धाम के पावन सानिध्य में मलूक पीठाधीश्वर परम पूज्य श्री राजेंद्रदास जी महाराज द्वारा आयोजित गौ कथा एवं गौ आधारित प्राकृतिक खेती विषयक दिव्य कथा का तीसरा एवं अंतिम दिवस अत्यंत भावपूर्ण वातावरण में हुआ। ब?ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धा, विश्वास और भक्ति के साथ कथा श्रवण किया। महाराज श्री ने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पृथ्वी सात स्तंभों पर आधारित है। प्रथम स्तंभ गौ माता हैं, द्वितीय ब्राह्मण, तृतीय वेद, चतुर्थ सती-सावित्री पतिवृता नारियां, पंचम सत्यवादी पुरुष, षष्ठम लोभरहित पुरुष और सप्तम दानशील पुरुष। इन सातों तत्वों के संरक्षण से ही समाज और सृष्टि का संतुलन बना रहता है। चित्रकूट के संत शिरोमणि संकादिक महाराज भी गोकथा में शामिल हुए। मलूक पीठाधीश्वर श्री राजेंद्रदास देवाचार्य जी महाराज की उपस्थिति में बसामन मामा गौधाम परिसर में ऋषिकुलम आवास गृह का भूमिपूजन किया एवं पीपल का पौधा रोपण किया। महाराज श्री ने कहा कि युग निर्माता ब्राह्मण होता है। जो संपूर्ण समाज की पीड़ा को अनुभव करे, वही सच्चा ब्राह्मण है। धर्माचरण से ही अर्थ और काम रूपी पुरुषार्थ की सिद्धि संभव है। जब अर्थ की प्राप्ति धर्म के अनुशासन और नियंत्रण में होती है, तब वह अर्थ अनर्थ का कारण

नहीं बनता, बल्कि लोक कल्याण का साधन बनता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपवित्र धन कभी पवित्र कार्यों में नहीं लगता और जो धन धर्मकार्य में समर्पित होता है, वह स्वयं पवित्र हो जाता है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हम सबके लिए यह अत्यंत सौभाग्य का विषय है कि पूज्य श्री राजेंद्रदास जी महाराज के मुखारविंद से अमृतवाणी श्रवण का अवसर प्राप्त हुआ। एक ओर बसामन मामा की पुण्यभूमि, जहाँ दस हजार गौ माताओं के संरक्षण एवं संवर्धन का विशाल प्रकल्प संचालित है, और दूसरी ओर पूज्य महाराज श्री का दिव्य प्रवचन यह संगम सचमुच त्रिवेणी के समान है, जो दीर्घकाल तक समाज का कल्याण करता रहेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौ माता का सम्मान ही मानवता का सम्मान है। यदि गौ माता का अपमान होगा तो मानव जाति का कल्याण संभव नहीं। उन्होंने कहा कि महाराज श्री के प्रवचनों से उन्हें गौ संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य में और अधिक ऊर्जा एवं संकल्प प्राप्त हुआ है। उन्होंने भावुकता से कहा कि कभी-कभी जब वे किसी कठिन कार्य का दायित्व लेते हैं और वह सहज ही पूर्ण हो जाता है, तो उन्हें अनुभव होता है कि यह सब गौ माता की कृपा और उनकी प्रसन्नता का ही परिणाम है। कार्यक्रम का समापन भक्ति, भाव और संकल्प के साथ हुआ, जिसमें गौ सेवा, धर्माचरण और समाज कल्याण के लिए कार्य करने का संदेश प्रमुख रहा। कथा समापन के बाद बसामन मामा में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया।

न्यूज गैलरी

भोपाल में वैलेंटाइन-डे पर चिनार पार्क के बाहर नारेबाजी: लट्ठ लेकर पहुंचे कार्यकर्ता

भोपाल/नवप्रदेश। वैलेंटाइन-डे के मौके पर राजधानी में विरोध का असर जमीन पर भी दिखाई दिया। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता शुक्रवार को चिनार पार्क पहुंच गए।

कार्यकर्ता हाथों में लट्ठ लेकर पार्क के बाहर जमा हुए और नारेबाजी की। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि कोई जोड़ा आपत्तिजनक स्थिति में मिला तो उसका मुंडन कर विरोध जताया जाएगा। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे भारतीय संस्कृति और मर्यादा के खिलाफ किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पार्क के बाहर पुलिस तैनात

स्थिति को देखते हुए पार्क के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था की गई है और किसी भी तरह की अवैध या हिंसक कार्रवाई की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि वैलेंटाइन डे को लेकर शहर में विभिन्न संगठनों की ओर से विरोध दर्ज कराया जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थलों पर शांति भंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बजरंग दल की चेतावनी- मुंह काला करेंगे

राष्ट्रीय बजरंग दल ने सार्वजनिक रूप से सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वैलेंटाइन डे के नाम पर किसी भी तरह की अश्लीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रांत मंत्री राकेश प्रजापति ने तीखे शब्दों में कहा कि यदि कोई युवक-युवती सार्वजनिक स्थानों पर आपत्तिजनक स्थिति में मिले, ÷बाबू-सोना÷ करते दिखाई दें, तो उनका सिर मुंडवाकर मुंह काला किया जाएगा और सड़कों पर जुलूस निकाला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जहां कहीं भी अश्लीलता करते पाए गए, वहां ÷शरीर का कोना-कोना तोड़ देंगे।÷ संगठन का आरोप है कि वैलेंटाइन डे के बहाने शहर में योजनाबद्ध तरीके से अशोभनीय गतिविधियां बढ़ाई जाती हैं, जिसका राष्ट्रीय बजरंग दल विरोध करेगा। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

15 निगरानी दस्ते गठित

वैलेंटाइन डे पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव का विरोध करते हुए सख्त रुख अपनाया है। वहीं संस्कृति बचाओ मंच ने शहरभर में 15 निगरानी दस्ते गठित कर होटल, मॉल और पार्कों पर नजर रखने की घोषणा की है। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 'दंड पूजन' कर विरोध दर्ज कराया। संगठन के प्रांत मंत्री राकेश प्रजापति ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रेम मर्यादा और सम्मान से जुड़ा है, लेकिन पश्चिमी प्रभाव में सार्वजनिक अश्लीलता को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसे भोपाल में किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन सच्चे प्रेम या पारिवारिक मूल्यों के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वजनिक मर्यादा भंग करने वालों के विरोध में हैं।

विशेष आयोजन न करें होटल संचालक

उधर, संस्कृति बचाओ मंच ने होटल संचालकों को चेतावनी दी है कि वैलेंटाइन डे पर विशेष आयोजन न करें। मंच पदाधिकारियों ने कहा कि भारतीय संस्कृति और संस्कार देश की पहचान हैं। युवाओं से अपील की गई है कि वे वैलेंटाइन डे के बजाय अगले दिन पड़ने वाली महाशिवरात्रि पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करें।

15 साल की नाबालिग ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

भोपाल/नवप्रदेश। सूखी सेवनिया थाना इलाके में रहने वाली 15 साल की किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर के एक कमरे में किशोरी ने अपने दुपट्टे का फंदा तैयार कर फांसी लगाई है। शुक्रवार रात फंदे पर लटके शव को देखने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर केस की जांच शुरू कर दी है। सुखी सेवनिया थाने के स्ढ्ढ यादव ने बताया कि 15 वर्षीय काजल बंजारा पिता रमेश बंजारा सुखी शिवन्या बंजारा बस्ती की रहने वाली थी। वह पांचवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ चुकी थी। उसके माता-पिता फेरी लगाकर प्लास्टिक आइटम बेचने का काम करते हैं। मां और पिता हर रोज की तरह शुक्रवार सुबह घर से निकल गए थे। छोटे भाई ने बड़ी बहन के शव को फंदे पर लटका देखने के बाद मां-पिता को कॉल पर सूचना दी। शोर मचा कर पड़ोसियों को बुलाया। मां-पिता ने घर पहुंचने के बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस की मौजूदगी में शव को फंदे से उतरा गया। कमरे की तलाशी में पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। लिहाजा आत्महत्या की कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस को दिए बयानों में परिजनों ने सुसाइड का कोई ठोस कारण नहीं बताया है। इसी के साथ बच्ची को हाल ही के दिनों में किसी भी तरह से डांट फटकार करने की बात से भी इनकार किया। शनिवार दोपहर पीएम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी एंगल पर जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की जांच की दिशा तय की जाएगी।

दीपक सक्सेना को आबकारी विभाग

रातोंरात बदले 11 आईएएस, जनसंपर्क के लिए मनीष सिंह पर ही भरोसा

भोपाल/नवप्रदेश। सरकार ने देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इंदौर के पूर्व कलेक्टर मनीष सिंह को फिर से जनसंपर्क विभाग सौंपा गया है, वहीं दीपक सक्सेना आबकारी विभाग के आयुक्त बनाए गए हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने शुक्रवार देर रात भारतीय प्रशासनिक सेवा के 11 अधिकारियों के तबादले कर प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव किया है। इस फेरबदल में कई अहम विभागों के प्रमुख बदले गए हैं।

अशोक वर्णवाल को स्वास्थ्य का जिम्मा

अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल को वन विभाग से हटाकर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा भोपाल गैस त्रासदी विभाग का दायित्व सौंपा गया है। उनके पास पहले से मौजूद पर्यावरण विभाग भी यथावत रहेगा, साथ ही उन्हें खाद्य सुरक्षा आयुक्त की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। वहीं प्रमुख सचिव संदीप यादव को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से हटाकर वन विभाग का प्रमुख बनाया गया है। उन्हें प्रवासी भारतीय विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

मनीष सिंह को फिर जनसंपर्क विभाग

2009 बैच के आईएएस अधिकारी मनीष सिंह को जनसंपर्क विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। वे पूर्व में भी यह दायित्व निभा चुके हैं। उनके पास परिवहन विभाग और जेल विभाग पहले की तरह रहेंगे। साथ ही मध्यप्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम और इंटर स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी का अतिरिक्त प्रभार भी उनके पास रहेगा। अब तक जनसंपर्क विभाग संभाल रहे दीपक कुमार सक्सेना को आबकारी आयुक्त, ग्वालियर नियुक्त किया गया है। वहीं अभिजीत अग्रवाल को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ, भोपाल का प्रबंध संचालक बनाकर वापस बुलाया गया है।

किसान कल्याण एवं कृषि विभाग से अजय गुप्ता को हटाकर मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, जबलपुर का प्रबंध संचालक बनाया गया है। राज्यपाल के अपर सचिव रहे उमाशंकर भार्गव को किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग का संचालक नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मना रही है।

भिंड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील दुबे को राज्यपाल का उप सचिव बनाया गया है। उच्च शिक्षा विभाग की उपसचिव संघमित्रा गौतम को आलीराजपुर जिले का मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कई जिलों में प्रशासनिक बदलाव

आगर मालवा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नंदा भलावे कुशरे को राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान का परियोजना संचालक बनाया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के उपसचिव कमल सोलंकी को रायसेन जिले का मुख्य कार्यक्रम अधिकारी नियुक्त किया गया है। शाजापुर के अपर कलेक्टर भुरला सिंह सोलंकी को आगर मालवा, छतरपुर के अपर कलेक्टर मिलिंद कुमार नामदेव को खरगोन और बुरहानपुर के अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान को भिंड जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के उपमहाप्रबंधक राकेश शर्मा को मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल का मुख्य महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है।

वहीं, जनसंपर्क विभाग के कामकाज से भी मुख्यमंत्री नाखुश थे। यहीं वजह है कि वर्तमान जनसंपर्क आयुक्त दीपक सक्सेना को अब आबकारी आयुक्त बनाया गया है। वहीं, मनीष सिंह को फिर से जनसंपर्क आयुक्त नियुक्त किया गया है और उनके पास परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। वहीं, आबकारी आयुक्त को लंबे समय से बदलने की अटकलें चल रही थी। अब करीब दो साल तक आबकारी आयुक्त रहे अभिजीत अग्रवाल अब प्रबंध संचालक, राज्य सहकारी विपणन संघ बनाया गया है। वहीं, उनकी जगह दीपक सक्सेना को आबकारी आयुक्त बनाया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार ने 2026 को कृषि वर्ष के रूप में घोषित किया है। इसमें सरकार किसानों की आय बढ़ाने से लेकर उत्पादकता की आमदनी बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। बताया जा रहा है कि कृषि विभाग के डायरेक्टर अजय सिंह के अब तक के कामकाज मुख्यमंत्री की उम्मीदों के अनुसार नहीं रहा। अब उनको हटा कर जबलपुर विद्युत कंपनी में प्रबंध संचालक की जिम्मेदारी दी गई है। ट्रांसफर आदेश के अनुसार 2011 बैच के ढ्ढ्नस् उमाशंकर भार्गव को राजभवन से किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग का संचालक बनाया गया। जिला स्तर पर कई CEO और मुख्य कार्यपालन अधिकारी बदले गए। इनमें भिंड जिला पंचायत के ष्टश्वह्र सुनील दुबे को राज्यपाल का उप सचिव बनाया गया।,

एम.पी. ट्रांस्को मुरैना सब स्टेशन में हुआ जीवन रक्षक सी.पी.आर. प्रशिक्षण शिविर

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) एवं रेड क्रॉस सोसायटी व स्थानीय जिला चिकित्सालयों ,मेडिकल कॉलेजों के सहयोग से मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको के जिला मुख्यालयों में स्थित ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उप संभागों, सब स्टेशनों आदि में ''सी.पी.आर. एवं अन्य ऐसे ही जीवन रक्षक तकनीकों'' पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में एक प्रशिक्षण कार्यशाला एम.पी. ट्रांसको एवं शासकीय जिला चिकित्सालय, मुरैना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

मुरैना स्थित 220 के.व्ही. सब स्टेशन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला के संयोजक ग्वालियर के अधीक्षण अभियंता श्री राजीव तोतला एवं कार्यपालन अभियंता श्री सी.के. जैन ने कहा कि ''ट्रांस्को के प्रशिक्षित व्यक्तियों में से अपने जीवन काल में यदि कोई कर्मी किसी एक भी व्यक्ति की जान बचाने में सफल होता है तो कंपनी के लिये प्रशिक्षण का उद्देश्य पूर्णतः सफल होगा। इस उपयोगी कार्यशाला में कंपनी के नियमित व आउटसोर्स कार्मिकों ने बडी संख्या में सहभागिता की।

चिकित्सा अधिकारी डॉ. व्यास ने दिया प्रशिक्षण

मुरैना के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल व्यास एवं उनकी टीम ने सी.पी.आर. प्रशिक्षण के लिये उपयोग किये जाने वाले मानव पुतले एवं वीडियो की सहायता से सी.पी.आर. तकनीक का विस्तृत प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक प्रतिभागी विषय विशेषज्ञ की निगरानी में मानव पुतले पर सी.पी.आर. तकनीक का अभ्यास भी करें।

भोपाल में 30 एकड़ जमीन पर अवैध निर्माण तोड़ा

केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में जमीन; एनजीटी के आदेश पर कार्रवाई

भोपाल/नवप्रदेश। नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल (एनजीटी) के आदेश पर शनिवार को भोपाल में बड़ी कार्रवाई की गई। केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में 30 एकड़ जमीन के अवैध निर्माण पर जिला प्रशासन की जेसीबी चली। कार्रवाई के दौरान रसूखदारों में हड़कंप मच गया। हुजूर तहसीलदार अनुराग त्रिपाठी एवं टीम ने यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, बरखेड़ी बजायाफत की पंचायत कुशालपुरा में करीब 30 एकड़ जमीन पर अवैध निर्माण की सूचना के बाद जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी की मदद से बाउंड्रीवॉल,

सीमेंट क्रांकीट रोड उखाड़ दी गई।

फिल्म डायरेक्टर की जमीन रही

प्रशासनिक सूत्रों की माने तो यह जमीन एक फिल्म डायरेक्टर से कुछ लोगों ने ली थी। जहां पर बिना अनुमति के निर्माण किए गए। बता दें कि एनजीटी ने बड़ा तालाब समेत अन्य जलस्त्रोतों के कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटाने के आदेश दे रखे हैं। इसके चलते जिला प्रशासन लगातार कार्यरवाई कर रहा है।

होली पर यात्रियों को राहत: पश्चिम मध्य रेलवे से चलेंगी स्पेशल गाड़ियां

जबलपुर-यशवंतपुर गाड़ी का मार्ग बदला

भोपाल/नवप्रदेश। होली पर्व पर बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल द्वारा कई विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा। वहीं अधोसंरचनात्मक कार्य के कारण 21 फरवरी को जबलपुर-यशवंतपुर गाड़ी एक फेरे के लिए परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएगी। पश्चिम मध्य रेलवे होली पर्व के दौरान बढ़ने वाली यात्री संख्या को

ध्यान में रखते हुए कई विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा। वहीं दक्षिण पश्चिम रेलवे के बैंगलुरू मंडल में चल रहे अधोसंरचनात्मक कार्य के कारण जबलपुर से चलने वाली एक महत्वपूर्ण गाड़ी का मार्ग बदला गया है। नगसमुद्रम और मक्काजिपल्ली यार्ड में 18 से 22 फरवरी तक चलने वाले कार्य के कारण गाड़ी संख्या 12194 जबलपुर -यशवंतपुर एक्सप्रेस 21 फरवरी 2026 को एक फेरे के लिए परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएगी।यह गाड़ी अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर धर्मावरम, श्री सत्य साई प्रशांति निलयम, पेनुकोंडा और हिंदुपुर होकर जाएगी। यात्रियों से यात्रा से पूर्व अद्यतन जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया गया है। होली पर्व पर अतिरिक्त यात्री दबाव को संभालने के लिए रीवा, रानी कमलापति, भोपाल, दानापुर, निजामुद्दीन और अयोध्या धाम के बीच विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा। विभिन्न तिथियों पर इन

नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल- ऑयल पाम योजना से किसानों की आय बढ़ेगी: कलेक्टर

एमपी के 5 श्रद्धालुओं की जयपुर में दर्दनाक मौत, भीषण सड़क हादसे से मचा हाहाकार

जबलपुर से खाटू श्याम दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की कार हादसे में मौत

भोपाल/नवप्रदेश। एमपी के 5 श्रद्धालुओं की राजस्थान में दर्दनाक मौत हो गई। जयपुर के चाकसू में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कोटा-जयपुर नेशनल हाईवे (ह्र॥-52) पर सुबह करीब 5¬30 बजे तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। शनिवार तड़के हुए इस भीषण सड़क हादसे से हाहाकार मच गया। चाकसू पुलिस स॥ह्र मनोहर

लाल मेघवाल के मुताबिक, चाकसू में टिगरिया मोड़ के पास जयपुर की ओर जा रही कार आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। ड्राइवर को झपकी आने से यह हादसा हुआ। हादसे के बाद हाईवे पर ट्रैफिक जाम हो गया। लोकल पुलिस और एक्सीडेंट रिस्पॉन्स टीम ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। जबरदस्त टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गए। एक महिला सहित कार सवार 4 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जब कि एक युवक की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में सांसें थम गईं। मध्यप्रदेश के जबलपुर से ये श्रद्धालु खाटू श्यामजी के दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही चाकसू पुलिस मौके पर पहुंची। सभी शवों को चाकसू अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार 4 मृतकों की पहचान हो चुकी है। कार हादसे में अखिलेश श्रीवास्तव की पत्नी रेशमा श्रीवास्तव, राजेश राय के बेटे पीयूष राय, बबलू रजक के बेटे रजक राहुल और ड्राइवर अनुराग की मौत हुई। एक अन्य मृतक की अभी पहचान नहीं हो सकी है।

मृतकों के परिवार वालों को दुर्घटना की सूचना तुरंत दे दी

इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर जय सिंह ने बताया कि मृतकों के परिवार वालों को दुर्घटना की सूचना तुरंत दे दी गई थी। मामले की जांच की जा रही है। 54 साल की मृतका रेशमा श्रीवास्तव दो दिन पहले महाकालेश्वर के दर्शन करने उज्जैन के लिए निकली थीं।

भोपाल में 500 किन्नरों की होगी 'घर वापसी

भोपाल/नवप्रदेश। राजधानी में किन्नर समुदाय के भीतर चल रहे विवाद के बीच महाशिवरात्रि पर 500 किन्नरों की 'घर वापसी' कराए जाने का दावा किया गया है। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहीं काजल ठाकुर ने कहा कि ये वे किन्नर हैं जो पहले मुस्लिम धर्म अपना चुके थे और अब हिंदू धर्म में वापस लौटेंगे। उनके मुताबिक आयोजन में अलग-अलग राज्यों से किन्नर शामिल होंगे और बड़ी संख्या में संत-महात्मा, मठाधीश तथा भगवा दलों के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। काजल ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम में हिमांगी सखी और प्रज्ञा गुरुजी भी शामिल होंगी। उन्होंने सुरैया नायक को भी खुले मंच से आमंत्रण देते हुए कहा कि वे भी चाहें तो 'घर वापसी' में शामिल हो सकती हैं।

अंडमान : प्रकाश, निस्तब्धता और अनंत नीलाई का आमंत्रण

यशवंत धोटे

कुछ यात्राएँ कैलेंडर में दर्ज छुट्टियाँ नहीं होतीं—वे जीवन की धड़कनों में उतरकर एक नई लय रच देती हैं। अंडमान द्वीपसमूह ऐसी ही एक अनुभूति है, जहाँ पहुँचते ही लगता है मानो समय ने स्वयं को धीमा कर लिया हो। जैसे ही विमान बादलों के आवरण को हटाता है, नीचे फैला समुद्र नीले रंगों की उस दुर्लभ छटा में दिखाई देता है, जिसे आँखें देखती हैं, पर शब्द पकड़ नहीं पाते। फ़िरोज़ी किनारे, नीलम-सी गहराइयाँ, और जल पर बिखरे पन्ना-से द्वीप—मानो प्रकृति ने अपने स्वप्नों की सबसे कोमल चित्रकला यहाँ उकेरी हो। अंडमान के तट केवल रेत और लहरों का दृश्य नहीं, मनःस्थितियों का विस्तार हैं। स्वराज द्वीप का राधानगर बीच उस निर्मल सौंदर्य का प्रतीक है, जहाँ रेशमी श्वेत रेत पर सूर्य की सुनहरी किरणें उतरती हैं और समुद्र अपनी शांत, पारदर्शी लहरों से यात्रियों का स्वागत करता है। यहाँ चलना ऐसा लगता है जैसे किसी कविता के भीतर प्रवेश कर रहे हों—हर लहर एक पंक्ति, हर झोंका एक उपमा। शहीद द्वीप का स्वभाव अलग है—यह द्वीप शांति का सौम्य विस्तार है। भरतपुर बीच की उथली, काँच-सी स्वच्छ लहरें, प्राकृतिक शिला-सेतु की अद्भुत संरचना, और हवा में घुली एक अव्यक्त निस्तब्धता—यहाँ प्रकृति धीरे-धीरे हृदय को खोलती है। भीड़ से दूर, प्रकृति के अधिक अंतरंग स्पर्श की चाह हो तो लॉन्ग आइलैंड का लालाजी बे बीच किसी गुप्त स्वर्ग जैसा खुलता है—जहाँ न कोई कोलाहल, न कोई हड़बड़ी, केवल समुद्र और आत्मा का मौन संवाद। चिड़िया टापू की संध्या रंगों का उत्सव है। सूर्यास्त यहाँ केवल दृश्य नहीं, एक भावानुभूति है—अंबर से लालिमा, लालिमा से बैंगनी, और फिर धीरे-धीरे उतरती सांध्य निस्तब्धता। वांडूर से मरीन नेशनल पार्क का संसार खुलता है—जहाँ समुद्री जैव-विविधता प्रकृति के संरक्षण और सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। लिटल अंडमान झरनों, सर्फिंग और शांत रोमांच का द्वीप है। डिगलीपुर, रंगत, और मायाबंदर—ये सभी द्वीप अंडमान के उस सरल, ग्रामीण, आत्मीय जीवन का परिचय कराते हैं जहाँ प्रकृति और मनुष्य एक संतुलित सहअस्तित्व में दिखाई देते हैं। दूर समुद्र में बैरन आइलैंड—भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी— जल और अग्नि का विस्मयकारी संतुलन। अंडमान के द्वीपों की यह विविधता यात्रियों को केवल आकर्षित नहीं करती—मोहित कर लेती है। अंडमान की धरती केवल प्राकृतिक नहीं, सांस्कृतिक विरासत से भी संपन्न है। यहाँ के मूल जनजातीय समुदाय इस भूभाग की प्राचीन आत्मा हैं। जारवा समुदाय का जीवन प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य में बीतता है। उनके लिए वन संसाधन नहीं, संबंध हैं; भूमि अधिकार नहीं, अस्तित्व है। आधुनिक समाज के लिए यह आवश्यक है कि इन समुदायों की गरिमा, निजता और परंपराओं का सम्मान सर्वोपरि रहे। अंडमान की यात्रा तभी पूर्ण है जब हम उसके इस मानवीय आयाम के प्रति संवेदनशील रहें। वनों के भीतर चलना, पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों को देखना, जैव-विविधता की उस समृद्धि को अनुभव करना—यह सब अंडमान को केवल पर्यटन स्थल नहीं, एक जीवित प्राकृतिक विश्वविद्यालय बना देता है।

नॉर्थ बे द्वीप जल-क्रीड़ाओं का जीवंत मंच

उत्तर अंडमान में रॉस और स्मिथ द्वीप का दृश्य विस्मित कर देता है। दो द्वीपों को जोड़ती रेत की पतली उजली रेखा—जैसे समुद्र ने स्वयं अपने विस्तार पर एक स्वप्निल हस्ताक्षर कर दिया हो। ज्वार-भाटा के साथ बदलता यह दृश्य हर बार नया चमत्कार बन जाता है। रोमांच के रंगों से भरा संसार देखना हो तो नॉर्थ बे द्वीप जल-क्रीड़ाओं का जीवंत मंच है। स्कूबा डाइविंग में जब आप जल के भीतर उतरते हैं, तब प्रवाल भित्तियों का रंगीन नगर खुलता है—लाल, पीले, बैंगनी प्रवाल, चंचल मछलियाँ, धीमे तैरते कछुए। वहाँ नीचे एक निस्तब्ध, पर जीवंत ब्रह्मांड है, जहाँ समय का अर्थ बदल जाता है। जॉली बॉय द्वीप और रेड स्किन द्वीप की जल-पारदर्शिता प्रवालों को मानो काँच के आर-पार देखने जैसा अनुभव देती है। यहाँ समुद्र केवल देखा नहीं जाता—महसूस किया जाता है।

अंडमान की पहचान नारियल के वृक्ष

नारियल के वृक्ष अंडमान की पहचान हैं। समुद्री हवा के साथ झूमते ये वृक्ष केवल दृश्य नहीं, आजीविका का आधार हैं। नारियल यहाँ भोजन, तेल, पेय, हस्तशिल्प और व्यापार—सभी का महत्वपूर्ण स्रोत है। गाँवों में नारियल की खेती जीवन की सहज लय रचती है। कुछ द्वीपों पर धान की खेती हरित विस्तार का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करती है। वर्षा से भीगी मिट्टी, लहलहाते खेत, और किसानों का श्रम—यहाँ का ग्रामीण जीवन अंडमान के उस शांत, आत्मनिर्भर स्वरूप को दर्शाता है जहाँ प्रकृति और मनुष्य सहजीवन में बंधे हैं।

वन, गुफाएं और प्राचीन उपस्थिति

अंडमान का हृदय उसके वनों में धड़कता है। यहाँ के उष्णकटिबंधीय वर्षावन धरती की प्राचीन स्मृतियों का हरित अभिलेख हैं। वृक्ष यहाँ केवल खड़े नहीं, जैसे आकाश से संवाद करते हुए ऊपर उठते हैं। पत्तों के बीच छनकर आती धूप, हवा में घुली मिट्टी और नमी की सुगंध, और पक्षियों की मधुर पुकार—वन का प्रत्येक क्षण एक ध्यान, एक विश्राम, एक पुनर्जागरण है। मैंग्रोव वन अंडमान की जीवनरेखा हैं। उनकी जटिल जड़ें जल और भूमि के बीच अद्भुत संतुलन रचती हैं। नाव से इनके बीच गुजरना ऐसा लगता है जैसे किसी हरित, रहस्यमयी गलियारे में प्रवेश कर रहे हों—जहाँ प्रकृति की निस्तब्धता स्वयं एक संगीत बन जाती है। बारातांग द्वीप इस अनुभव को और गहन करता है। यहाँ की चूना-पत्थर (लाइमस्टोन) गुफाएँ प्रकृति की धीमी, धैर्यपूर्ण कला का साक्षात प्रमाण हैं। हजारों वर्षों में टपकती जल-बूँदों ने जिन स्तंभों और आकृतियों को

गढ़ा है, वे किसी प्राचीन, निस्तब्ध मंदिर की अनुभूति कराते हैं। गुफा के भीतर शीतल हवा, टपकते जल की लय, और धुँधली रोशनी—मानो समय ने स्वयं को थाम लिया हो।

जीवन, श्रम, स्वाद और आनंद का अर्थ

अंडमान में समुद्र केवल सौंदर्य का विस्तार नहीं, जीवन का आधार है। मत्स्य पालन यहाँ की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का प्रमुख स्वर है। भोर की धुँधली उजास में समुद्र की ओर जाती नावें, लौटते जाल, और ताज़ी मछलियों की चमक—यह सब श्रम और प्रकृति के गहरे संबंध की कथा कहता है। पर्यटन यहाँ केवल दृश्यावलोकन नहीं, अनुभव है। समुद्र में स्कूबा डाइविंग, स्नॉर्कलिंग, सी-वॉक; तटों पर विश्राम; वन-पथों पर पदयात्रा; नावों से द्वीपों की यात्राएँ—हर गतिविधि आनंद का नया आयाम खोलती है। आतिथ्य यहाँ औपचारिक नहीं, आत्मीय है। समुद्र-समीप रिसॉर्ट्स, हरित कॉटेज, सरल होमस्टे—हर ठहराव में एक सहज ऊष्मा है। सुबह खारे पवन का स्पर्श, शाम लहरों की ध्वनि—विश्राम को भी एक काव्य बना देते हैं। अंडमान का स्वाद भी उसी प्रकृति का विस्तार है। ताज़ा समुद्री भोजन, नारियल-सुगंधित व्यंजन, उष्णकटिबंधीय फल—यहाँ भोजन केवल तृप्ति नहीं, समुद्र और मिट्टी का उत्सव है। और अंततः, अंडमान सिखाता है आनंद का सच्चा अर्थ—बिना हड़बड़ी के जीना। तट पर शांत बैठना, सूर्यास्त को निहारना, वन की निस्तब्धता में खो जाना, जल में तैरना। यहाँ समय भागता नहीं—बहता है।

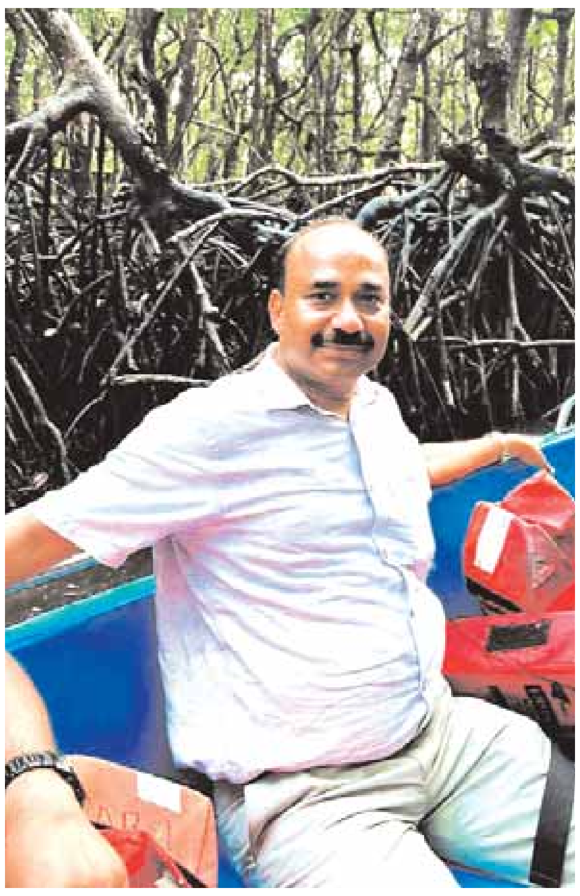

अंडमान

अंडमान एक स्मरण है—कि जीवन केवल गति नहीं, ठहराव भी है। केवल उपलब्धि नहीं, अनुभूति भी है। आइए अंडमान—जहाँ प्रकृति प्रदर्शन नहीं करती, आलिंगन देती है। जहाँ समुद्र केवल दृश्य नहीं, संवाद बन जाता है। जहाँ वन केवल हरियाली नहीं, शांति का आश्रय बन जाते हैं। और जहाँ यात्रा समाप्त नहीं होती—हृदय में बस जाती है।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन सुख शांतिदायक रहेगा फिर भी आपसी संबंधों में आज शक की गुंजाइश ना रखें मामूली बातो को अनदेखा करें। स्त्रीवर्ग आज पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा खर्चीली रहेंगी।

वृष: आपको आज का दिन मिलाजुला फलदेगा। प्रातः काल से ही मानसिक रूप से निराश रहेंगे। कार्यो की असफलता का गुस्सा परिजनों पर निकालने से अशांति फैलेगी।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए आशाजनक रहेगा। बेरोजगार लोग आज थोड़ा अतिरिक्त प्रयास करें निश्चित सफलता मिलेगी। आज आपको जितना भी मिले कम ही लगेगा।

कर्क: आज के दिन आप के मन मे कुछ ना कुछ तिकडम लगी रहेगी। थोड़ी सी सफलता पाकर सामर्थ से अधिक सोचेंगे अतिआत्मविश्वास भविष्य के लिए हानि कारक रहेगा।

सिंह: आज आप अपने विवेकी व्यवहार के चलते कार्य क्षेत्र एवं परिवार में अन्य लोगो से बेहतर आंके जाएंगे परन्तु बीच बीच मे किसी कारण से क्रोध आ सकता है।

कन्या: आज भी दिन के अंतिम भाग को छोड़ शेष विपरीत फलदायी रहेगा। दिन भर भागदौड़ करने के बाद भी कुछ भी आपकी आशा के अनुरूप नही होगा।

तुला: आज का दिन सामान्य बीतेगा। धन लाभ आज अवश्य होगा परन्तु अधिक पाने की लालसा मूल लाभ से भी वंचित कर सकती है। कार्य व्यवसाय में आज ज्यादा दिमाग लगाना पड़ेगा जिसका फल थोड़ा विलंब से मिलेगा।

वृश्चिक: आज का दिन वैसे तो सामान्य ही रहेगा फिर भी राजसी खर्च रहने से धन की कमी रहेगी। बुजुर्गो को भी आज सम्मान कम ही देंगे।

धनु: आज आप अपने अंदर एक नई ऊर्जा का संचार अनुभव करेंगे। कार्यो को लेकर थोड़े लापरवाह भी रहेंगे लेकिन किसी का सहयोग मिलने से कार्य निश्चित समय पर पूर्ण कर लेंगे।

मकर: आपका आज का दिन भी प्रतिकूलताओं से भरा रहेगा। आर्थिक समस्याएं यथावत बनी रहने से मानसिक कष्ट भोगेंगे काम-काज भी ठप्प सा ही रहेगा। नौकरो के भरोसे काम छोड़ना भारी पड़ सकता है।

कुंभ: आज का दिन भी आपको सहज लाभ दिलाएगा। लेकिन आसानी से बन रहे कामो के कारण आपमे अतिआत्मविश्वास एवं अहम की भावना भी रहेगी जिससे निकट भविष्य में हानि होने की संभावना है।

मीन: सरकारी नौकरी वाले जातक अथवा सरकार संबंधित कार्यो के लिए आज का दिन विशेष रहेगा। नौकरी में पदोन्नति एवं सरकार से आर्थिक विषयो में लाभ की संभावना है।

QUIZ TIME

1) प्राचीन नगर नीनवे, जो हाल ही में समाचारों में था, किस देश में स्थित है?

2) टोरंटो का योंग स्ट्रीट क्यों मशहूर हैं?

3) जैन मुनि आचार्य विद्यासागर महाराज ने अपने निधन से पहले कौन-सा समारोह किया था?

4) अपने सभी ग्लेशियरों को 17 मई, 2024 को खोने वाला पहला देश कौन-सा देश बना?

5) बिग बेन को किसने बनाया था?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) इराक (2) दुनिया का सबसे लंबा स्ट्रीट (3) सल्लेखना (4) वेनेजुएला (5) ऑगस्टस पुगिन

पहेली

शब्द सामर्थ्य -316 (भारतन साहू)

नेहरू कॉलेज के विद्यार्थियों ने लहराया परचम 11 छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय मेरिट सूची में शामिल

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराया है। वर्ष 2025 की विश्वविद्यालय परीक्षाओं के घोषित परिणामों में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के कुल 11 विद्यार्थियों ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय, जिले एवं पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

विभिन्न विभागों का उत्कृष्ट प्रदर्शन-रसायन शास्त्र विभाग की छात्रा आदिति विजय चावके ने एम.एससी. केमिस्ट्री में छटवी रैंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि को विभाग की निरंतर शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण माना जा रहा है। अर्थशास्त्र विभाग से योगेश कुमार लाउत्रे ने एम.ए. अर्थशास्त्र में दसवीं रैंक अर्जित कर मेरिट सूची में स्थान बनाया। वहीं हिंदी विभाग की छात्रा चांदनी कंवर ने एम.ए. हिंदी साहित्य में दसवीं वीं रैंक प्राप्त कर विभाग को गौरवान्वित किया।

वनस्पति शास्त्र विभाग बना 'गौरव'

इस वर्ष वनस्पति शास्त्र विभाग ने सर्वाधिक सफलता अर्जित की। विभाग के पाँच विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया, जिसमें कु. भीमा ने तीसरी रैंक, कु. उमा ने चौथी, कु. रामेश्वरी एवं कु. तामेश्वरी साहू ने छटवीं तथा कु. मधु ने दसवीं रैंक प्राप्त की।

भौतिकी विभाग का शानदार प्रदर्शन

भौतिकी विभाग ने इस वर्ष विशेष उपलब्धि दर्ज की। विभाग की छात्रा अंकिता जांभुलकर ने एम.एससी. भौतिकी में तीसरी रैंक प्राप्त कर उच्च स्थान हासिल किया, जबकि नेहा देवांगन ने पांचवी रैंक अर्जित की। दोनों छात्राओं की सफलता को विभाग के निरंतर मार्गदर्शन एवं मेहनत का परिणाम बताया जा रहा है। इसकी प्रकार भूगोल विभाग की छात्रा माधुरी ने एम.ए. भूगोल में दसवी रैंक प्राप्त कर मेरिट सूची में स्थान बनाया। उनकी सफलता से विभाग में गर्व का माहौल है।

महाविद्यालय प्रशासन ने दी बधाई- महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सुनील जैन सहित समस्त सदस्यों एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई.वी. रेवती ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और संकल्प का परिणाम है।

न्यूज गैलरी

कर्मचारी की नियुक्ति होने के बाद भी शुरू नहीं किया जा रहा हमर क्लीनिक

कुरूद / नवप्रदेश। नगर पंचायत कुरुद के वार्ड नंबर 15 अटल आवास में बनाया गया हमार क्लीनिक? का उद्देश्य लोगों को वार्ड में ही स्वास्थ्य सुविधाएं देना था। ताकि लोगों को दूर नहीं जाना पड़े वार्ड में ही स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। लगभग तीन वर्ष बीत चुके हैं इस स्वास्बथ्य केंद्र को बने नें हुए हमर क्लिनिक को क्लीनिक अब जर्जर होने की स्थिति पर आ गई जानकारी लेने पर पता चला कि शासन ने हमर क्लीनिक कुरूद में कर्मचारियों की नियुक्ति भी कर दी है फिर भी स्वास्थ्य विभाग के द्वारा क्लिनिक को चालू नहीं किया जा रहा है वार्ड वासी संतोष प्रजापति ने कहा कि इसे जल्द से जल्द चालू किया जाए ताकि वार्ड वासियों एवं आस पास के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने सौंपा ज्ञापन फार्म-7 के दुरुपयोग का मामला

छुरा /नवप्रदेश। छ. ग.प्रदेश में SIR प्रक्रिया में फॅार्म 7 के संभावित दुरुपयोग की निगरानी एवं रोकथाम बाबत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर छुरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा फॅार्म 7 के दुरुपयोग संबंध में जानकारी ली गई,जिसमें पाया गया कि पात्र मतदाता को विलोपित करने विपक्षी दल के अलग अलग व्यक्तियों द्वारा दी गई है,जो खासकर विशेष समुदाय को लक्ष्य बनाया गया है,जिनके नाम विलोपित करने दिया गया है,वे सभी पात्र मतदाता है,वर्तमान में छुरा नगर में ही निवासरत है,और ये सभी नाम जुड़वाने स्ढ्ढक्र फॅार्म भर चुके है,इस संबंध में छुरा तहसीलदार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने ज्ञापन सौंपकर स्ढ्ढक्र प्रक्रिया में फॅार्म 7 के दुरुपयोग करने वाले पर सख्त कार्यवाही की मांग की है,यह लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं आम मतदाताओं के अधिकार पर सीधा प्रहार है, मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित किए जाने के षडयंत्र का प्रयास किया जा रहा है,ज्ञापन संबंध में तहसीलदार ने जानकारी दी कि जो भी फॅार्म 7 भरे है (नाम विलोपित करने)उस मतदाता की वास्तविक जानकारी लेने के बाद ही कारवाही की जावेगी।ज्ञापन प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि यशपेंद्र शाह,नगर पंचायत उपाध्यक्ष अब्दुल शमीम खान,रंजीत ठाकुर, पार्षद हरीश यादव,सलीम मेमन,पंचराम टंडन, देवसिंह नेताम,शांतनु देवांगन,युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव आकाश दीक्षित आदि द्वारा दिया गया एवं कार्यवाही की मांग की गई।

ललिमा सेन को दी गई भावभीनी विदाई

नगरी/नवप्रदेश। नगरी नगर के लिए गर्व की बात है कि यहां की प्रतिभाशाली बेटी ललिमा सेन का चयन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में एसएसजीडी पद पर हुआ है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से पूरे नगर एवं क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल है।शुक्रवार को प्रशिक्षण के लिए रवाना होने से पूर्व परिवारजनों, मोहल्लेवासियों एवं शुभचिंतकों द्वारा उन्हें गुलाल तिलक कर भावभीनी विदाई दी गई। ललिमा सेन, पिता हृदय लाल सेन एवं माता पुनम सेन की सुपुत्री हैं। इस अवसर पर बड़ी बहन राजेश्वरी सेन, छोटी बहन सालनी सेन, छोटे भाई नर्मीकांत सेन (लकी) सहित परिजनों ने गर्व एवं खुशी के साथ उन्हें शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में मामा रजनीश सेन एवं भईया शेषनारायण सेन सहित समस्त परिवार एवं मित्रगण उपस्थित रहे और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समाज प्रमुखों एवं क्षेत्रवासियों ने कहा कि ललिमा सेन की यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके परिश्रम, लगन व समर्पण का परिणाम है। उनकी इस उपलब्धि पर समाजजनों एवं नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए परिवार को बधाई दी।

दुगली के आवासपारा आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया गया वजन त्यौहार

नगरी/नवप्रदेश। दुगली के आवासपारा आंगनबाड़ी केंद्र में वजन त्यौहार का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य कलावती मरकाम एवं वरूण देव नेताम विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों का वजन लेकर स्वयं निरीक्षण किया तथा माताओं को बच्चों के बेहतर पोषण के लिए हरी सब्जियां, फल, दूध एवं घर पर बने पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता देने की सलाह दी।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं रिव्यु समिति की बैठक, कलेक्टर ने की बैंकिंग योजनाओं की समीक्षा

जरूरतमंद लोगों को आसानी से मिले ऋण, किसानों का रखें पूरा ख्याल

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय रिव्यु समिति की संयुक्त बैठक गुरुवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित हुआ। बैठक में कलेक्टर ने जिले में संचालित विभिन्न बैंकिंग, वित्तीय एवं स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, आरबीआई के प्रतिनिधि दीपेश तिवारी, नाबार्ड के प्रबंधक प्रियव्रत साहू, जिला अग्रणी बैंक मैनेजर अभय पारे एवं जिले के अन्य बैंकों के प्रतिनिधि एवं शासकीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने शैक्षिक ऋण, एसएमआई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग) वित्त पोषण तथा मुद्रा ऋण की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित बैंकों से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को आवश्यकता अनुसार आसान और सरलीकृत तरीके से ऋण उपलब्ध कराएं तथा किसानों को केसीसी लोन, छोटे व्यवसायियों के लिए मुद्रा एवं शासकीय विभागों द्वारा संचालित लोन को अविलंब स्वीकृति दें। कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड अंतर्गत डेयरी एवं मत्स्य पालन से संबंधित ऋण प्रकरणों की स्वीकृति पर चर्चा करते हुए मत्स्य पालन, डेयरी एवं पशुपालन गतिविधियों को विशेष महत्व देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि बैंक आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता शिविर का सतत आयोजन करें तथा उनका प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित करें। लोगों को साइबर फ्रॉड से बचने के तरीके भी बताएं ताकि उनकी जमा पूंजी बैंकों में सुरक्षित रहे। साथ ही कहा कि बैंक किसी भी तरह के फ्रॉड गतिविधियों में संलिप्त न हो और न ही बिना नियमानुसार कोई भी प्रकरण स्वीकृत करें। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सकती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पात्र केसीसी खातों के शत-प्रतिशत कवरेज के निर्देश दिए गए। साथ ही भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा संचालित आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान की तीन माह की समीक्षा भी की गई।

बैठक में भारतीय स्टेट बैंक की बिछिया शाखा को तहसील बसना के ग्राम भंवरपुर में स्थानांतरित किए जाने संबंधी अनुमोदन प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। जिला स्तरीय रिव्यु समिति की बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनाएवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के प्रदर्शन की समीक्षा की गई।

मनरेगा बचाओ व युवा महापंचायत में शामिल होने रायपुर गए कांग्रेसी नेता

नगरी / नवप्रदेश। प्रदेश युवा कांग्रेस के तत्वाधान में मनरेगा बचाओ महासंग्राम , युवा महापंचायत का कार्यक्रम पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय ऑडोटोरियम रायपुर में रखा गया था जिसमें भाग लेने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एव युवा कांग्रेस कार्यकर्ता बस के माध्यम से उत्साहपूर्वक रवाना हुए जिसे विधायक अम्बिका मरकाम ने हरी झंडी दिखाया।कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा मनरेगा ग्रामीण गरीबों और युवाओं के लिए रोजगार का महत्वपूर्ण साधन है, इसे कमजोर करने के किसी भी प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाएगा। बीजेपी सरकार संवैधानिक अधिकार को खत्म करने का प्रयास कर रही है।कांग्रेस कमिटी प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा ये सिर्फ कांग्रेस की लड़ाई नहीं है ये देश के ग़रीब , मज़दूर और किसान की हक को बचाने की लड़ाई है।मनरेगा ने गांव में रोजगार दिया, पलायन रोका, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। लेकिन आज इस योजना को कमजोर करने, कार्य दिवस घटाने और भुगतान में देरी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। यह केवल योजना पर नहीं, बल्कि गांव की आत्मनिर्भरता पर प्रहार है।मनरेगा को बचाने की सामूहिक प्रयास की ज़रूरत है।महापंचायत में युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में जनपद सदस्य प्रमोद कुंजाम , दुर्गेश नंदिनी साहू , क्षमा साहू , शिवनाथ मरकाम,सोनराज वट्टी,नंदिनी साहू , पुष्प माण्डवी,, मिकी गुप्ता ,सरपंच मुकेश कुंजाम आदि ।

राजिम कुंभ कल्प: दंडी स्वामी सच्चिदानंद के सानिध्य में सम्पन्न हुआ सरस्वती महायज्ञ

छात्र-छात्राओं ने श्रद्धापूर्वक डाली समिधा

राजिम/ नवप्रदेश। कुंभ कल्प मेला के संत समागम स्थल पर शुक्रवार को आध्यात्मिक उल्लास और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरस्वती महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। दंडी स्वामी सच्चिदानंद तीर्थ महाराज के मंडप में सम्पन्न इस यज्ञ में स्कूली छात्र-छात्राओं ने श्रद्धा और अनुशासन के साथ समिधा अर्पित कर अनुष्ठान को पूर्ण किया।यज्ञ में सरस्वती शिशु मंदिर नवापारा के 75, सरस्वती शिशु मंदिर राजिम के 45 तथा नवकार पब्लिक स्कूल के करीब 50 विद्यार्थियों ने सहभागिता निभाई।

पिथौरा में 11वें श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव को लेकर भक्तिमय वातावरण, निकलेगी विशाल निशान यात्रा

पिथौरा/ नवप्रदेश। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी खाटू वाले श्याम बाबा की असीम कृपा से 11वाँ श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ श्री अग्रसेन भवन, पिथौरा में आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव को लेकर श्याम भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है तथा पूरे नगर में भक्तिमय माहौल बन गया है।

महोत्सव के प्रथम दिन 18 फरवरी को दोपहर 3:15 बजे श्री प्राचीन हनुमान मंदिर से कार्यक्रम स्थल श्री अग्रसेन भवन तक भव्य एवं विशाल निशान यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्याम भक्त केसरिया ध्वज, रंग-बिरंगे निशान एवं बाबा श्याम के जयकारों के साथ नगर भ्रमण करेंगे। ढोल-नगाड़ों और भजनों की मधुर धुनों से पूरा नगर जय श्री श्याम के उद्घोष से गूंज उठेगा।महोत्सव के दूसरे दिन 19 फरवरी को सायं 7 बजे खाटू वाले श्याम बाबा का अलौकिक एवं भव्य श्रृंगार किया जाएगा। श्रृंगार दर्शन के पश्चात श्याम भजन संध्या का भव्य आयोजन होगा।

अल्ट्राटेक रावन ने सीएसआर में दिया मत्स्य पालन पर प्रशिक्षण

भाटापारा/ नवप्रदेश। अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा शासकीय मछली पालन विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के संयुक्त प्रयास से मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया , जिसमें क्षेत्र के लगभग 70 किसानों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन के गुर सिखाना और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान डॉ अंगद सिंह राजपुत सिनियर साईंटिस्ट कृषि विज्ञान केन्द्र , वी के वर्मा सहायक संचालक मछली पालन विभाग , विलियम राबर्ट फिश इंसपेक्टर पलारी , मनीषा वर्मा फिश इंसपेक्टर सिमगा एवं सुचिन वर्मा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ने आधुनिक समूह गठन, मत्स्य पालन तकनीकों, तालाब प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण बीज चयन, आहार प्रबंधन, जल गुणवत्ता नियंत्रण और रोग प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। प्रतिभागियों को मत्स्य पालन से जुड़े वर्तमान बाजार परिदृश्य, संभावित आय और सरकारी योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में राज्य अलंकरण खुबचंद बघेल कृषक रत्न पुरुस्कार से सम्मानित वामन टिकरीहा ने भी किसानो को प्रेरित किए इस अवसर पर अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा वामन टिकरीहा को सम्मानित किया गया।

वन्यजीव अपराधियों पर सख्ती की तैयारी दो दिवसीय कार्यशाला में दिया प्रशिक्षण

महासमुंद। वनमंडल महासमुंद द्वारा वन्यजीव अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं सुदृढ़ न्यायालयीन कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए वनमंडल स्तरीय वन विद्यालय, महासमुंद में वन्यजीव अपराध, पहचान एवं अभियोजन विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य वन्यजीवों से संबंधित अपराधों की समयबद्ध पहचान, वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन, प्रकरणों का विधिसम्मत पंजीयन एवं प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करना है, ताकि दोषियों को कठोर दंड दिलाया जा सके और अवैध शिकार व तस्करी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।कार्यक्रम में डिप्टी डायरेक्टर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व वरुण जैन, वनमंडलाधिकारी मयंक पांडेय, आदि उपस्थित रहे।

नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल- ऑयल पाम योजना से किसानों की आय बढ़ेगी: कलेक्टर

पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा देन एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जिले में किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा

महासमुंद // नवप्रदेश। पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार भारत सरकार द्वारा लगातार किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल - ऑयल पाम योजना के संबंध में आज कृषि विज्ञान केंद्र भलेसर में उद्यानिकी विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र भलेसर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, योगेश्वर चंद्राकर, आर एल शर्मा, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में अंचल के किसान उपस्थित थे।

कार्यशाला में कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि पाम ऑयल की खेती सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक है। उन्होंने कहा कि हमारे यहाँ धान की खेती सर्वाधिक होती है। और धान की फसल के लिए पानी की आवश्यकता बड़ी मात्रा में होती है इसलिए बदलते समय के साथ हमें ऐसी फसलों की ओर रूख करना होगा जिसमें पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाकर बेहतर फसल ले सकें।

परंपरागत खेती के अलावा फल, सब्जियों एवं मछली पालन जैसे ढेरों विकल्प हैं जिसके माध्यम से आज किसान अधिक से अधिक लाभ ले सकते हैं। भारत सरकार की भी यही मंशा है कि किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो। पाम ऑयल के ऊपर आज हमारा देश दूसरे देशों पर निर्भर है, उसी निर्भरता को कम करने के लिए यह योजना लायी गई है। साथ ही इस खेती से जुड़े सवालों पर किसानों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि किसानों को पहले इस खेती से जुड़े कृषकों के खेतों का भ्रमण कराया जाएगा ताकि इस खेती से जुड़ी शंकाओं एवं तकनीकी पहलुओं पर किसानों को स्पष्टता हो सके।

कृषक सिदार चंद्राकर की जुबानी

किसान सिदार चंद्राकर जिन्होंने खुद 32 एकड़ में पाम ऑयल की खेती की है उन्होंने इसकी खेती के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाम ऑयल कीट और बीमारियों, श्रम आवश्यकताओं, उपज के विपणन के मामले में सभी बाधाओं से मुक्त फसल है और उपज के चरण से ही नियमित मासिक आय प्रदान करता है। साथ ही अपने अनुभवों एवं लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि पाम ऑयल के उत्पादन की सीमा 4-5 साल तक की है, और बढ़ते उत्पादन के चरम तक पहुंचने के लिए 2-3 साल की अतिरिक्त अवधि की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए, यह सुझाव दिया गया था कि किसान शुरुआती वर्षों में सब्जियों के साथ अंतर फसलों पर स्विच कर सकते हैं।

बोर्ड परीक्षा सिर पर, छुईखदान में लाउडस्पीकर का आतंक

छुईखदान /नवप्रदेश। छुईखदान ब्लॉक में ध्वनि प्रदूषण बेकाबू होता जा रहा है। 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाएं शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है, लेकिन क्षेत्र में लाउडस्पीकर के तेज शोर पर प्रशासन पूरी तरह लापरवाह नजर आ रहा है। विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है, फिर भी जिम्मेदार अधिकारी कोई ठोस कदम उठाते नहीं दिख रहे हैं।

क्षेत्र में धार्मिक, सामाजिक और निजी आयोजनों में देर रात तक तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाए जा रहे हैं। परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्र-छात्राएं शोरगुल के कारण पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है और मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा है।

ग्राम पंचायत लिम्हा में जल अर्पण कार्यक्रम, जनप्रतिनिधियों की रही सहभागिता

मुंगेली/नवप्रदेश। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और ग्रामीणों को जल का महत्व बताते हुए सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत लिम्हा में जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक पुन्नूलाल मोहले, कलेक्टर कुन्दन कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, उपाध्यक्ष शांति देवचरण भास्कर, जनपद पंचायत मुंगेली के अध्यक्ष रामकमल सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। इस दौरान धरमपुरा, गीधा, लिम्हा, लिलवाकापा और सिंगबांधा ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन का कार्य पूर्ण होने पर के सरपंचों को हस्तांतरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ की गई। इसके पश्चात राष्ट्रगीत वंदे मातरम व छत्तीसगढ़ की अस्मिता के प्रतीक राज्यगीत ÷अरपा पैरी के धार÷ का सामूहिक गायन हुआ, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति और सांस्कृतिक चेतना से सराबोर हो गया। इसके पश्चात विधायक श्री मोहले ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल संरक्षण को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जल है तो कल है, और प्रत्येक नागरिक को जल के प्रति संवेदनशील बनना होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष ने पानी को बचाने ग्रामीणो को प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि जल ही जीवन है, जल के बिना जीवन सम्भव ही नहीं है, इसलिए जल को बचाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने मोर गाँव-मोर पानी महाअभियान की जानकारी दी और ग्रामीणों को जल के संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए जल का दुरूपयोग नहीं करने समझाइश दी। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि नरेगा योजना के अंतर्गत सैंड फिल्टर, आजीविका डबरी, सोखता गड्ढा, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप गड्ढा, वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं एवं भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्यों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जल संरक्षण को सामाजिक आंदोलन बनाने का आह्वान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पुन्नूलाल मोहले ने जल संरक्षण को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने पर बल देते हुए कहा कि 'जल है तो कल है' और प्रत्येक नागरिक को जल के प्रति संवेदनशील बनना होगा। कलेक्टर ने कहा कि जल के बिना जीवन संभव नहीं है, इसलिए इसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने 'मोर गाँव-मोर पानी' महाअभियान की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से जल के दुरुपयोग को रोकने की अपील की।

न्यूज गैलरी

बैगा ग्राम बोईरहा में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर आयोजित

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के दूरस्थ वनांचल बैगा ग्रामों में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दौरान गांव के लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाई एवं परामर्श दिया जाता है। इसी कड़ी में बैगा ग्राम बोईरहा में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 68 से अधिक मरीजों की जांच की गई, जिसमें संदेहास्पद टीबी के 08, सर्दी-खांसी के 19, दाद, खाज, खुजली के 05, बुखार के 07, बीपी के 02, हाथ-पैर दर्द के 10, कमजोरी के 08, आंख संबंधी बीमारी के 01 मरीजों सहित अन्य 08 मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाई एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। जिला क्षय-कुष्ठ उन्मूलन अधिकारी डॉ. सुदेश रात्रे ने बताया कि शिविर में संदेहास्पद टीबी मरीजों की बलगम सीसीनॉट मशीन में जांच के लिए एकत्र किया गया। इसके साथ ही बचाव व नियंत्रण के लिए पाम्पलेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम समन्वयक अमिताभ तिवारी, पीएमडीटी समन्वयक धीरज रात्रे मितानिन सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, समय पर मिली चिकित्सकीय सहायता

मुंगेली/नवप्रदेश। सड़क दुर्घटना में ग्राम नावांगांव चीनू निवासी 25 वर्षीय मिथुन बंजारा पिता संतोष घायल हो गया। रास्ते में निकलते समय डॉक्टर ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई। घायल युवक को डॉ. मनीष बंजारा द्वारा मौके पर ही यथासंभव प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया तथा तत्पश्चात 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से सुरक्षित रूप से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। समय पर मिली चिकित्सा सहायता ने एक अनमोल जीवन को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह घटना पुनः स्मरण कराती है कि सड़क पर एक क्षण की असावधानी गंभीर परिणाम ला सकती है। यातायात नियमों का पालन करना, नियंत्रित गति में वाहन चलाना, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करना तथा मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। अक्सर हम अपनी गलती से कम और दूसरों की लापरवाही से अधिक दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं, इसलिए अतिरिक्त सतर्कता ही सर्वोत्तम सुरक्षा है। इस कार्य में यशवंत जायसवाल 108 जिला प्रबंधक का विशेष सहयोग रहा। डॉ. बंजारा ने अपील की कि यदि कभी सड़क पर कोई दुर्घटना घटित होती दिखाई दे, तो मूक दर्शक न बनें। थोड़ी सी संवेदनशीलता और समय पर की गई मदद किसी के लिए जीवनदान सिद्ध हो सकती है।

चार लाख से अधिक लाभार्थियों को कराया गया दवा सेवन

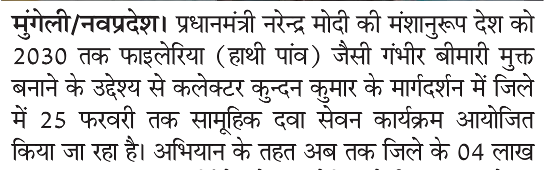

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप देश को 2030 तक फाइलेरिया (हाथी पांव) जैसी गंभीर बीमारी मुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में 25 फरवरी तक सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक जिले के 04 लाख 15 हजार 110 लाभार्थियों को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 03 लाख 56 हजार 143 लाभार्थियों को बूथ के माध्यम से दवा खिलाई गई, जबकि 58 हजार 967 हितग्राहियों को घर-घर भ्रमण कर दवा का सेवन कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन घर-घर पहुंचकर आयु एवं वजन के अनुसार दवा का सेवन सुनिश्चित कर रहे हैं। दवा सेवन से पूर्व लोगों को फाइलेरिया रोग के कारण, लक्षण एवं बचाव के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 22 फरवरी तक घर-घर जाकर तथा 23 से 25 फरवरी तक छूटे हुए लोगों को मापअप राउंड अंतर्गत दवा सेवन कराया जाएगा।

16 फरवरी से करेगा कामबंद हड़ताल

रायगढ़/नवप्रदेश। प्रदेश के कृषि विज्ञान केंद्रों में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी अपनी वित्तीय देयताओं के भुगतान की मांग को लेकर 16 से 20 फरवरी तक पांच दिवसीय कामबंद हड़ताल और धरना-प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान प्रदेश स्तर पर रायपुर में आंदोलन किया जाएगा। संघ ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और होस्ट संस्थान इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार बेसिक वेतन, डीए और एचआरए के अलावा अन्य सभी भत्तों, सुविधाओं और सेवा संबंधी देयताओं का भुगतान होस्ट संस्थान द्वारा किया जाना है।

राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों की समीक्षा

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य सचिव की मंशानुरूप सभी राजस्व संबंधी प्रकरणों का सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहे।

रिकॉर्ड दुरुस्ती, अविवादित खाता विभाजन, सीमांकन एवं नक्शा बटांकन की कार्यवाही निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु से पूर्व सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण कर लिया जाए, ताकि आमजनों को असुविधा न हो। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व से संबंधित प्रत्येक बिंदु की समीक्षा प्रत्येक सप्ताह की जाएगी और प्रगति के आधार पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने तहसीलदार, आर. आई. व पटवारियों से बात कर उन्हें बेहतर कार्य करने तथा राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने पटवारी एवं राजस्व निरीक्षकों के बीच उत्पन्न गतिरोध के विषय में भी बैठक में चर्चा की। इस संबंध में तहसीलदार ने बताया कि आपसी संवाद और समन्वय से समस्या का समाधान कर लिया गया है। सभी राजस्व निरीक्षण एवं पटवारी अपने कार्य पर लौट आए हैं और पूरी तत्परता के साथ दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि मुख्य सचिव के निर्देशों के अनुरूप राजस्व अमला पूरी निष्ठा से कार्य करेगा। कलेक्टर ने कहा कि मुख्य सचिव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के अनुरूप राजस्व कार्यों में प्रगति आप सभी राजस्व अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। उन्होंने अधिकारियों को जनसहयोग की भावना से कार्य करने, आम नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करने और बेहतर कार्यप्रदर्शन के माध्यम से सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले पटवारियों एवं राजस्व निरीक्षकों को सम्मानित किया जाएगा, ताकि कार्य संस्कृति में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और उत्साह का वातावरण बने। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जी.एल.यादव सहित राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कार्मल स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

अंबिकापुर/नवप्रदेश। शहर के कार्मल स्कूल नमनाकला में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सीएसपी राहुल बंसल थे। विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर रोशनी ने स्कूल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। समारोह में शैक्षणिक, सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ट्रॉफी, मेडल व प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों के प्रस्तुत नृत्य और गीत की आकर्षक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आनंदमय बना दिया। राहुल बंसल ने बच्चों से कैरियर को लेकर बातचीत की। उन्होंने अनुशासन, समय प्रबंधन, कड़ी मेहनत, खेलकूद व सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास करते रहने की प्रेरणा दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी प्रश्न पूछे, जिनका बंसल ने सहज और प्रेरक ढंग से उत्तर दिया। उनके विचारों से विद्यार्थियों में ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ। अंत में प्राचार्या सिस्टर रोशनी ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों व विद्यार्थियों को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और सीएसपी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

अनियमितता मिलने पर दो आरा मिल सीलबंद

सक्ती/नवप्रदेश। जिले में वन विभाग ने अवैध लकड़ी परिवहन और वन संरक्षण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की है। विभाग ने जैजैपुर क्षेत्र में संचालित दो आरा मिलों को सीलबंद कर दिया। यह कार्रवाई वनमण्डलाधिकारी के मार्गदर्शन में सक्ती वन परिक्षेत्र और उड़नदस्ता दल की संयुक्त टीम ने की। मिली जानकारी के अनुसार, जैजैपुर क्षेत्र में हलेश्वर कुमार साहू, तुषार और गोपाल प्रसाद चंद्रा द्वारा संचालित आरा मिलों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान आवश्यक अभिलेखों, लाइसेंस और अन्य वैधानिक प्रावधानों की विस्तृत जांच की गई। जांच में कई अनियमितताएं सामने आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों आरा मिलों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान विभागीय अधिकारियों ने आवश्यक पंचनामा और दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी की। वन विभाग ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई से अवैध कटाई और लकड़ी के अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगेगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वन अपराधों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रंग-बिरंगी रंगोली, नुक्कड़ नाटक से बच्चों ने दिया संदेश

जांजगीर/नवप्रदेश। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सक्ती के तत्वावधान में नवापाराकला में 'जल अर्पण दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों में स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल संरक्षण और नल-जल योजना के सतत संचालन को लेकर जागरूकता बढ़ाना था। मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

अधिकारियों ने जल जीवन मिशन, जल की शुद्धता, स्वास्थ्य पर प्रभाव और समय पर जल कर भुगतान की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। एफटीके किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रदर्शन कर ग्रामीणों को जलजनित बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए। बच्चों ने रंगोली, नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से 'जल ही जीवन है' का संदेश प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। ग्राम में प्रभात फेरी और जल बंधन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिससे समुदाय में एकता और जागरूकता का वातावरण बना।

गिलास नहीं देने पर महिला को पीटा और फाड़े कपड़े

रायगढ़/नवप्रदेश। गुरुवार रात रेलवे स्टेशन के बाहर शराब पीने के लिए गिलास न देने पर बदमाशों ने गुब्बारे बेचने वाली महिला की लात-घूसों से जमकर पिटाई कर दी। आरोपियों ने उसके कपड़े भी फाड़ दिए।

बीच-बचाव करने आए पति को भी बेरहमी से पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही कोतवाली पुलिस हरकत में आ गई। रातोंरात पीड़िता और उसके पति को ढूंढकर थाने ले जाया गया और एफआईआर दर्ज की। मात्र 12 घंटे में चारों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसएसपी शशि मोहन सिंह को घटना की जानकारी मिलते ही थाना कोतवाली को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पीड़िता पूजा यादव (25) व पति पवन यादव की तलाश शुरू की।

छत्तीसगढ़ी लोकगायक एवं स्थानीय प्रतिभाओं ने बिखेरा हुनर का जलवा

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले के पर्यटन स्थल मैनपाट के रोपाखार जलाशय के समीप आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव 2026 का शुभारंभ भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विकास की प्रतिबद्धता के संदेश के साथ हुआ। प्रकृति की गोद में आयोजित इस महोत्सव ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, स्थानीय प्रतिभाओं और राज्य सरकार की विकासपरक सोच का सशक्त प्रदर्शन किया। महोत्सव के विशेष आकर्षण के रूप में आमंत्रित सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायक मनोज तिवारी ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों में ओ राजा जी ऐकरे त रहल हो हां जरूरत महूरत खुबसूरत हो और रिंकिया के पापा गीतों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने लोकप्रिय भोजपुरी गीतों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट सज रहा है गीत में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जिले को प्रदान की गई 500 करोड़ से अधिक की विकास कार्यों की सौगातों का उल्लेख करते हुए,राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों की सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया हमको आज लग रहा है गीत से अभिवादन किया। विकास और संस्कृति के इस संगम ने दर्शकों में उत्साह का संचार किया और पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर कला, परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने अपनी विविध प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भव्य और यादगार बना दिया। प्रत्येक प्रस्तुति ने दर्शकों को एक अलग सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया और पूरे आयोजन स्थल को उत्साह, उमंग और तालियों की गूंज से भर दिया।

प्रथम पेज का शेष

मोदी वायुसेना के एयरक्राफ्ट...

तीन महीने में तीसरा असम दौरा है। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव है। राज्य में 2016 से लगातार दो बार एनडीए की सरकार बनी है। इससे पहले 2001-2016 तक कांग्रेस की सरकार थी।

पीएम मोदी के भाषण की 5 खास बातें

- कांग्रेस के समय असम को पाई-पाई के लिए तरसाया जाता था। तब टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपये मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं।

- जब मैं प्लेन से मोरन हाईवे पर उतरा तो नया इतिहास बन गया। कभी नार्थ ईस्ट का नाम आते ही लोग सोचते थे कि छोड़ो टूटी सड़क मिलेंगी तो कब ही पहुंचेंगे। आज यहां हाईवे पर हवाई जहाज भी लैंड करते हैं।

- भाजपा सरकार ने 10 साल में ब्रह्मपुत्र पर 5 बड़े पुल बनाए। कांग्रेस की 70 साल की सत्ता में 3 पुल बने। यह बताता है कि कांग्रेस ने असम को समस्या दी और हमने समाधान दिए।

चुनी हुई सरकार को काम...

अदालत ने चेतावनी दी कि भविष्य में इस तरह के हस्तक्षेप को गंभीरता से लिया जाएगा।

चुनाव का नया कार्यक्रम और समय सीमा: हिमाचल प्रदेश में लगभग 3,500 ग्राम पंचायतें, 90 पंचायत समितियां, 11 जिला परिषद और 71 शहरी स्थानीय निकाय हैं, जिनमें से अधिकांश के चुनाव इस वर्ष होने हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की 30 अप्रैल की समय सीमा को बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने नई समय सीमा निर्धारित की है।

बहनों को प्रशिक्षण, स्व-सहायता

उद्योग में काम करेंगी तो उन्हें 5 हजार रुपए महीना अलग से दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद परिवार की बेटियों का विवाह मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में हो रहा है। सामूहिक कन्यादान योजना में 55 हजार रुपए प्रति जोड़ा राशि दी जाती है। सनातन संस्कृति के 16 संस्कारों में विवाह संस्कार सबसे बड़ा संस्कार है। यह परिवार में अमरता का संस्कार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पात्र हितग्राही परिवार की बेटियों के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था करा रही है, जिससे वे पढ़-लिखकर प्रदेश और परिवार का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना में प्रदेश की 25 लाख बहनों को 111 करोड़ की राशि भी निरंतर भेजी जा रही है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रदेश की 7 लाख से अधिक हितग्राहियों बहनों को 385 करोड़ की राशि दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को भावांतर योजना का लाभ मिला है। गेहूं का समर्थन मूल्य भी 2700 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। खेती में महिलाओं की भागीदारी जितनी मजबूत होगी, गांव, किसान परिवार और प्रदेश की अर्थव्यवस्था उतनी ही सशक्त होगी। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के लिए फिर से सर्वे कराया जा रहा है, जिससे वंचित पात्र हितग्राहियों को भी पक्के मकान मिल पाएं। राज्य सरकार गांव-गांव तक नल जल योजना से शुद्ध पेय जल उपलब्ध करवा रही है।

बुरहानपुर में होगी एग्रीकल्चर बेस्ड

शाहपुर को परीक्षण उपरांत नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। बुरहानपुर में वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हॉर्टीकल्चर सब्जेक्ट अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में प?ाया जाएगा। उन्होंने खामनी से दही हांडी तक खामनी से रायगांव एवं शाहपुर से सुखपुरी तक स?क बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर में युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रारंभ किए जाएंगे। राज्य सरकार बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों के बकाया भुगतान कराएगी और यहां नए उद्योग-धंधे भी स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम आज ही लाड़ली बहना योजना की 33वीं किश्त प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक बहनों के खाते में अंतरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि से लेकर कपड़ा निर्माण तक, दवा से लेकर फर्नीचर उद्योग तक, पाइप निर्माण से लेकर कृषि उपकरण निर्माण तक बुरहानपुर का जवाब नहीं। यह जिला पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और कपड़ा उत्पादन के कारण %बुनकरों के शहर% के रूप में बुरहानपुर के नाम से विख्यात है। उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग की बढ़ती मांग के कारण यहां कपास की खेती भी बड़े पैमाने पर की जाती है।

व्यापार समझौते पर राहुल का हमला, 'ट्रेड डील ने टेक्सटाइल उद्योग को खत्म कर दिया'

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र सरकार को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर लगाया घेर रहे हैं। इसी के साथ वो लगातार टैरिफ का मुद्दा भी उठा रहे हैं। एक दिन पहले जहां राहुल गांधी ने किसान संघ के नेताओं से मुलाकात की। वहीं अब एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि इस व्यापार समझौते से देश का टेक्सटाइल उद्योग पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा।

अपने वीडियो में राहुल गांधी ने ट्रेड डील को लेकर पीएम मोदी और भाजपा सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। इसी

के साथ दावा किया कि यह समझौता भारत के कपास किसानों और टेक्सटाइल उद्योग के लिए नुकसानदायक साबित होगा।

टैरिफ पर सरकार को घेरा, बताई सच्चाई

कपास की खेती और कपड़ा क्षेत्र से संबंधित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में कपड़ा निर्यात पर शून्य फीसदी टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है। शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया - 'अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।'

18% टैरिफ बनाम 0% - आइए समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इसपर भ्रम फैला रहे हैं। और, किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं।

सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

ऐसे में उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई? इसी के साथ राहुल गांधी ने आगे कहा कि अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने दावा किया कि अब बांग्लादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है।

गिरिराज सिंह का पलटवार, भ्रम फैला रहे राहुल

कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ''राहुल गांधी हमेशा की तरह तथ्यों को समझे बिना भ्रामक जानकारी फैला रहे हैं। वास्तविकता यह है कि भारत ने अमेरिका के साथ कई प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कहीं बेहतर और संतुलित व्यापार समझौता सुनिश्चित किया है। यह समझौता समग्र रूप से उद्योग के विकास का समर्थन करने के साथ-साथ हमारे किसानों के हितों की रक्षा के लिए बनाया गया है।

न्यूज गैलरी

ईरान में सत्ता परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी: ट्रम्प

वाशिंगटन(वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन "सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती है"। जो देश के धार्मिक नेतृत्व को हटाने के समर्थन में उनके अब तक के सबसे स्पष्ट बयानों में से एक को दर्शाता है। ट्रम्प ने ये टिप्पणियां उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात के तुरंत बाद कीं और इससे पहले दिन में उन्होंने पुष्टि की थी कि वह मध्य पूर्व में दूसरा विमानवाहक पोत समूह तैनात कर रहे हैं।

आरआरबी एनटीपीसी सीबीटी-1 परीक्षा की तिथियां घोषित

नई दिल्ली। रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (NTPC) ग्रेजुएट लेवल के लिए CBT-1 परीक्षा 2026 की तारीखें घोषित कर दी हैं। जिन्होंने इस परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया है, वे अब निर्धारित तिथियों पर CBT-1 में बैठ सकते हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 5,810 उम्मीदवारों को नियुक्त किया जाएगा, जिससे उम्मीदवार अपनी तैयारी और रणनीति को समय अनुसार व्यवस्थित कर सकते हैं। आरआरबी एनटीपीसी स्नातक स्तर सीबीटी-1 परीक्षा देशभर में 16 मार्च 2026 से शुरू होगी और यह 27 मार्च 2026 तक चलेगी। उम्मीदवार अब इस परीक्षा शेड्यूल के अनुसार अपनी तैयारी को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं। आरआरबी की आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, CBT-1 परीक्षा में शामिल होने के लिए एग्जाम सिटी स्लिप परीक्षा से लगभग 10 दिन पहले जारी की जाएगी। उम्मीदवार इसे RRB की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर अपने परीक्षा शहर की जानकारी देख सकेंगे। साथ ही, एडमिट कार्ड परीक्षा से लगभग 4 दिन पहले जारी किया जाएगा। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए उम्मीदवारों को अपने लॉगिन क्रेडेंशियल्स का उपयोग करना होगा। RRB NTPC 2026 भर्ती में उम्मीदवारों का चयन कई चरणों में किया जाएगा। सभी पदों के लिए दो CBT चरण होंगे। फर्स्ट स्टेज CBT-1 और सेकेंड स्टेज CBT-2। CBT-1 में 90 मिनट का पेपर होगा, जिसमें 100 प्रश्न आएंगे: 40 जनरल अवेयरनेस, 30 गणित और 30 जनरल इंटेलिजेंस व रीजनिंग के। CBT-2 भी सभी पदों के लिए कॉमन होगा और इसमें 90 मिनट में 120 प्रश्न पूछे जाएंगे: 50 जनरल अवेयरनेस, 35 गणित और 35 जनरल इंटेलिजेंस व रीजनिंग के।

टी-20 विश्वकप: आयरलैंड ने ओमान को 96 रनों से हराया

कोलंबो(वार्ता)। कप्तान लोर्कान टकर (नाबाद 94), गैरेथ डेलेनी (56) तथा जॉर्ज डॉकरेल (नाबाद 35) की विस्फोटक बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड ने शनिवार टी-20 विश्वकप के 22वें मुकाबले में ओमान को 96 रनों से हराया। आज यहां 236 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान के अधिकतर बल्लेबाज आयरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के बेबस नजर आये और उनकी पूरी टीम 18 ओवर में 139 के स्कोर पर सिमट गई। आमिर कलीम ने ओमान के लिए सर्वाधिक 50 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने 29 गेंदों का सामना किया और पांच चौके और दो छक्के लगाये। इसके अलावा हम्माद मिर्जा ने 37 गेंदों में छह चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 46 रनों की पारी खेली। सुफियान महमूद 10 रन बनाकर आउट हुये। शेष आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

अमेरिका में विमान हादसा चार लोगों की मौत

वांशिंगटन(वार्ता/स्पूतनिक)। अमेरिका में कोलोराडो के एमराल्ड पहाड़ी के एक दूर-दराज के इलाके के पास एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय अखबार स्काई-हाई न्यूज़ ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में राउट काउंटी शेरिफडग शेरार के हवाले से कहा गया कि यह हादसा गुरुवार रात को हुआ। मरने वालों के शव उसी रात बरामद कर लिए गए और अब उनकी पहचान की जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त विमान एपिक विमान ई1000 था और यह हादसा आधी रात के करीब हुआ।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों में किसानों और मछुआरों के हित पूरी तरह सुरक्षित

राहुल गांधी की नीति झूठ बोलो, जोर से बोलो और बार-बार दोहराओ: शाह

कराईकल (ए.)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की तरफसे हालिया भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और केंद्र की नीतियों पर दिए बयान के बाद सियासत गरमा गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले में राहुल गांधी को सीधे निशाने पर लिया और झूठ फैलाकर जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया है। शाह ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों में किसानों और मछुआरों के हित पूरी तरह सुरक्षित किए गए हैं।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी आरोप लगाया कि वह झूठ फैला रहे हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा की एक रैली में शाह ने कहा कि राहुल गांधी रोजाना झूठ बोलने की नई परंपरा चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की नीति है झूठ बोलो, जोर से बोलो और बार-बार दोहराओ। शाह ने कहा कि लेकिन लोग अब आपकी झूठ फैक्टरी को

पहचान चुके हैं। इसके साथ ही शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत अमेरिका के साथ हाल ही में हुए समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले यूपीए सरकार के दौरान किसानों के हितों की अनदेखी हुई और उनका फायदा नहीं हुआ। इसके साथ ही अमित शाह ने यह भी भरोसा जताया कि 2029 में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा-नेतृत्व वाली एनडीए सरकार केंद्र में सत्ता में आएगी।

कांग्रेस सरकार पर बोला तीखा हमला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी में आयोजित रैली में पुडुचेरी के तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि नारायणासामी की सरकार ने पुडुचेरी को गांधी परिवार के लिए एक एटीएम बना दिया था। उन्होंने खुलकर कहा कि पीजी और डिप्लोमा सीटों की नीलामी की गई और अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षित सीटें भी अमीरों को बेच दी गईं। उन्होंने कहा कि परिवहन माफियाओं को जनता को परेशान करने की पूरी आजादी दी गई थी।

शाह ने बताया पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य

उन्होंने बताया कि पिछली पांच साल में कांग्रेस ने पुडुचेरी में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का माहौल बनाया था, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बदलकर व्यवस्था और विकास की ओर ले जाया है। अब अगले पांच साल में पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पहले पुडुचेरी के फैसले गांधी परिवार द्वारा दिल्ली से लिए जाते थे, अब यह निर्णय पुडुचेरी में ही लिए जाते हैं।

दुनियाभर में दुश्मन हमसे डरते हैं, ट्रंप ने की जवानों की तारीफ

नॉर्थ कैरोलिना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ कैरोलिना में दुनिया के सबसे बड़े सैन्य अड्डों में से एक फोर्ट ब्रैग में सैनिकों और उनके परिवारों को संबोधित किया। इस दौरान वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने वाले विशेष सैन्य अभियान में शामिल सेना के जवानों की सराहना की।

फोर्ट ब्रैग में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि आपके कमांडर इन चीफ आपको पूरी तरह से सपोर्ट करते हैं। फिर उन्होंने अपने ही कैंपेन के एक नारे का इस्तेमाल करते हुए उनसे कहा, 'जब जरूरत होगी, आप लड़ेंगे, लड़ेंगे, लड़ेंगे। आप जीतेंगे, जीतेंगे, जीतेंगे।' इसी के साथ राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सैन्य परिवारों से निजी मुलाकातें भी कीं। हालांकि यह दौरा अमेरिकी सशस्त्र बलों का अभिनंदन करने के लिए आयोजित आधिकारिक दौरे से कहीं अधिक एक राजनीतिक रैली जैसा लगा। ट्रंप ने मादुरो को सत्ता से हटाने वाले हमले की प्रशंसा तभी की जब उन्होंने माइकल व्हाटली को मंच पर बुलाया, जो रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हैं और उन्हें राष्ट्रपति का समर्थन हासिल है, क्योंकि वे अब उत्तरी कैरोलिना से सीनेट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

दुनिया ने देखा अमेरिका की सैन्य शक्ति

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले महीने के साहसिक कार्रवाई का मतलब है कि पूरी दुनिया ने देखा कि अमेरिका की पूरी सैन्य शक्ति क्या कर सकती है। इतना ही नहीं ट्रंप ने आगे कहा कि इस कार्रवाई में यह निश्चित किया कि दुनिया भर में संभावित दुश्मन हमसे डरते हैं।

मुंबई में हादसा: भरभराकर गिरा निर्माणाधीन मेट्रो का पिलर, एक की मौत, कई लोग घायल

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मेट्रो का पिलर गिरने से भयानक हादसा हो गया। घटना मुलुंड की है। जहां अचानक भरभराकर मेट्रो का पिलर गिर गया। जिसकी चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मुलुंड पश्चिम में निर्माणाधीन मेट्रो पिलर का सीमेंट का हिस्सा नीचे से गुजर रहे ऑटो रिक्शा पर गिरा, जिससे कई लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना के बारे में बीएमसी ने बताया कि आज दोपहर

12.20 बजे जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी, LBS रोड, मुलुंड के पास मेट्रो पिलर का एक हिस्सा गिर गया। निर्माण के दौरान सीमेंट मेट्रो पिलर का एक हिस्सा टूटकर एक रिक्शा पर गिर गया। हादसे के तुरंत बाद मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस, मेट्रो स्टाफ वार्ड स्टाफ और 108 एम्बुलेंस सेवा मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू कर दिया। हादसे में कई लोग घायल हो गए। बाद में इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि निर्माणाधीन मेट्रो रेल मार्ग के एक खंभे का हिस्सा गिरने से तीन से चार लोगों के घायल हो गए। उन्होंन आगे कहा कि पिलर के सीमेंट का स्लैब टूटकर नीचे खड़े एक ऑटो रिक्शा पर गिर गया, जिससे ऑटो रिक्शा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

रोहताश मिष्ठान ग्रुप के 10 ठिकानों पर छापा करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी आई सामने

मेरठ। शहर के प्रतिष्ठित मिष्ठान व्यवसायी रोहताश ग्रुप के ठिकानों पर स्टेट जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापा मारा है। विभाग की 10 टीमों ने एक साथ ग्रुप के अलग-अलग दस ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। प्राथमिक जांच में करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी होने की बात सामने आई है।

इस पूरे अभियान का नेतृत्व कर रहे जीएसटी कमिश्नर ग्रेड-टू सुशील कुमार सिंह ने इसे विभाग की अब तक की सबसे बड़ी

कार्रवाई करार दिया है। जीएसटी विभाग की टीमों ने आनंदपुरी, गंगानगर और साकेत स्थित प्रतिष्ठानों के साथ-साथ विभिन्न गोदामों में भी स्टॉक की गहन जांच की। आनंदपुरी स्थित ग्रुप के मुख्य प्रतिष्ठान को जांच का केंद्र बनाया गया जहां अकेले 16 अधिकारियों की टीम ने मोर्चा संभाला। इसके अलावा गंगानगर, साकेत, विश्वकर्मा रोड और देवपुरी के प्रतिष्ठानों व गोदामों में भी स्टॉक का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने आयकर विभाग की तर्ज पर ग्रुप के संपत्ति के दस्तावेज, सेल-परचेज बिल और कंप्यूटर डेटा को खंगालकर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। टीमों ने मौके पर मौजूद लोगों से दस्तावेजों की पुष्टि भी कराई है। जीएसटी विभाग के अधिकारियों के अनुसार खरीद और बिक्री के आंकड़ों में करोड़ों रुपये की भारी गड़बड़ी मिली है।

भारत माता की जय से संविधान की शुरुआत नहीं होती: ओवैसी

हैदराबाद। तेलंगाना में हुए नगरपालिका चुनाव और फिर सामने आए नतीजों ने पूरे राज्य की राजनीत में गर्माहट तेज कर दी है। इसी बीच एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक साथ कई संसद, हिजाब, वंदे मातरम समेत कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। ओवैसी ने कहा कि यह वफादारी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान 'वी द पीपल' यानी 'हम भारत के लोग' से शुरू होता है, न कि 'भारत माता की जय' से।

ओवैसी ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता का मूल अधिकार देता है। ऐसे में किसी की देशभक्ति को किसी नारे से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राष्ट्रीय गान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है? ओवैसी ने कहा कि उन्हें अपनी वफादारी का कोई प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि हर नागरिक को अपने धर्म और विचारों के अनुसार जीने की आजादी है और यही संविधान की भावना है।

भाजपा पर साधा निशाना

उन्होंने तेलंगाना में हुए चुनाव को लेकर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि तेलंगाना नगरपालिका चुनाव के दौरान भाजपा नेता हर पांच मिनट में उनका नाम तीन बार लेते थे, जिससे ऐसा लगता है कि वे उन्हें पसंद करते हैं। इसके साथ ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की तरफसे वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी। ओवैसी ने कहा कि अगर वे चाहें तो नाथूराम गोडसे को भी भारत रत्न दे सकते हैं। ओवैसी ने कहा कि तेलंगाना में उनकी पार्टी संरचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभा रहा है, जबकि सरकार केवल तब लाभान्वित होती है जब संसद काम नहीं करती। उन्होंने यह भी बताया कि विपक्ष ने जो दस्तावेज पेश किया, वह सार्वजनिक दस्तावेज था और सरकार इसे खारिज नहीं कर रही।

हिजाब को लेकर बोले ओवैसी

ओवैसी ने हिजाब को लेकर भी अपना रुख साफकिया। उन्होंने कहा कि मैं देश की विविधता और समावेशिता को बढ़ावा दे रहा हूं, और मेरा सपना है कि एक हिजाब पहनने वाली महिला भारत की प्रधानमंत्री बने।

वैलेंटाइन-डे पर सर्राफा बाजार में दिखी तेजी, चांदी आठ हजार रुपये महंगी

नई दिल्ली। वैलेंटाइंस डे के मौके पर शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत करीब 8,110 रुपये उछलकर 2,44,545 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई, जबकि सोने में 3,266 रुपये की तेजी दर्ज की गई।

राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव बढ़कर लगभग 1,57,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, वहीं मुंबई में यह करीब 1,57,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले एक दिन पहले दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत करीब 2,400 रुपये गिरकर 1,58,500 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई थी। वहीं चांदी की

कीमत 13,500 रुपये टूटकर 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम आ गई थी। जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के अपेक्षा से कम रहने से डॉलर पर दबाव बना और निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के रूप में सोना-चांदी में खरीदारी बढ़ा दी। जनवरी 2026 में अमेरिकी महंगाई दर 2.40% रही, जो बाजार के 2.50% के अनुमान से कम थी, हालांकि यह दिसंबर 2025 की तुलना में 0.30% अधिक है। विश्लेषकों का मानना है कि हालिया गिरावट के बावजूद कीमती धातुओं में लंबी अवधि का बुल रन जारी है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी का हाल

वैश्विक बाजार में भी कीमती धातुओं में मजबूती रही। हाजिर सोना करीब 4,968 डॉलर प्रति औंस के आसपास ट्रेड कर रहा है, जबकि कॉमेक्स पर सोना लगभग 5,046 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जिसमें करीब 2% की इंट्राडे तेजी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी की कीमत भी 3% से अधिक उछलकर लगभग 77.96 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

पाकिस्तान के लिए बुमराह - वरुण से ज्यादा घातक हो सकते हैं हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले के लिए दोनों टीमों के खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं। दोनों टीमें इस मैच में जीत के लिए पूरा जो लगाएंगी और जीतने वाली टीम अंकतालिका में अपनी स्थिति और मजबूत करते हुए सुपर 8 की तरफ मजबूती के साथ अपना कदम आगे बढ़ाएगी।

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय प्लेइंग इलेवन में कोलंबो की पिच को देखते हुए कुछ बदलाव किए जा सकते हैं और टीम इंडिया एक एक्स्ट्रा स्पिनर के साथ मैदान पर उतर सकती है। माना जा रहा है कि कुलदीप यादव को अंतिम 11 का हिस्सा बनाया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो भारत, पाकिस्तान के खिलाफ बुमराह, हार्दिक, शिवम

दुबे, कुलदीप, अक्षर और वरुण चक्रवर्ती जैसे गेंदबाजों का इस्तेमाल करेगा। कहा तो जा रहा है कि कोलंबो में स्पिन का जादू चलेगा और ये सच भी है, लेकिन कोलंबो में हार्दिक पंड्या पाकिस्तान के खिलाफ कहर बरपा सकते हैं इस बात की भी पूरी संभावना है। दरअसल भारत-पाकिस्तान टी20 इंटरनेशन मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में दोनों टीमों की तरफ से हार्दिक पहले स्थान पर हैं जिन्होंने इस टीम के खिलाफ अब तक खेले 9 मैचों में सबसे ज्यादा 15 विकेट लिए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनका बेस्ट प्रदर्शन 8 रन देकर 3 विकेट है। बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 मैचों में 9 विकेट लिए हैं जबकि कुलदीप यादव ने 3 मैचों में 8 विकेट चटकाए हैं। अक्षर ने इस टीम के खिलाफ 5 मैचों में 5 विकेट लिए हैं जबकि वरुण ने 4 मैचों में 3 विकेट चटकाए हैं। यानी आंकड़ों के मामले में अन्य भारतीय गेंदबाजों के मुकाबले हार्दिक ज्यादा प्रभावी दिख रहे हैं। वैसे कोलंबो की पिच पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजाराबानी ने 4 जबकि इवांस ने 3 विकेट लेकर इस टीम की बोलती बंद कर दी थी।

वैलेंटाइन-डे पर मोहब्बत के लिए कुर्बान होने को तैयार वामिका गब्बी

मुंबई। वामिका गब्बी हिंदी फिल्मों के अलावा साउथ सिनेमा में भी सक्रिय हैं। वह लोकेश कनगराज के साथ एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'डीसी' कर रही हैं।

डायरेक्टर के तौर पर लोकेश कनगराज ने साउथ सिनेमा में कई हिट फिल्में बनाई हैं। 'कैथी', 'विक्रम' और 'कुली' जैसी फिल्मों में उन्होंने कार्थी, कमल हासन और रजनीकांत जैसे एक्टर के साथ काम किया। अब वह अभिनय में रंग जमाने वाले हैं। वैलेंटाइन डे पर फिल्म 'डीसी' की कुछ झलकियां, वामिका और लोकेश ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। 'डीसी' के नए वीडियो में इश्क का जुनून और कहानी को लेकर भी झलक मिलती है। फिल्म 'डीसी' का जो नया वीडियो वामिका और लोकेश ने शेयर किया है, उसमें उनके किरदारों का जिक्र है। साथ ही फिल्म की कहानी को लेकर भी अंदाज होता है।

न्यूज गैलरी

उज्जैन-जावरा स्टेट हाईवे पर ट्रक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, नागदा में हंगामा; आप नेता चेतन परमार गिरफ्तार

नागदा/नवप्रदेश। उज्जैन-जावरा स्टेट हाईवे पर सोमवार तड़के एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। गेहूं से भरे एक ट्रक की टक्कर से गोपी नामक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक नागदा का निवासी था और गोल्डन केमिकल के पास बनी झुग्गियों में रहता था। हादसे के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस बीच बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों के साथ आम आदमी पार्टी के नेता चेतन परमार भी धरने पर बैठ गए, जिससे हाईवे पर यातायात बाधित हो गया और जाम की स्थिति बन गई। प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग उठने को तैयार नहीं हुए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर चेतन परमार को हिरासत में लिया और प्रदर्शनकारियों को हटाकर यातायात सुचारु कराया। धरने पर बैठे लोगों का आरोप था कि स्टेट हाईवे-17 पर आए दिन हादसे हो रहे हैं और कई लोग जान गंवा चुके हैं, बावजूद इसके शासन-प्रशासन ठोस कदम नहीं उठा रहा। लोगों ने हाईवे पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने, स्पीड कंट्रोल और नियमित निगरानी की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक चालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

श्रीराम कॉलोनी में आज होगी शिव परिवार की स्थापना

सोमवार को विशाल भण्डारे का होगा आयोजन।

नागदा जं./नवप्रदेश। महाशिवरात्रि पर्व पर श्रीराम कॉलोनी स्थित रामदेव मन्दिर में तीन दिवसीय आयोजन के साथ शिव परिवार की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। जिसके अन्तर्गत आज भगवान शिव, पार्वती, गणेशजी एवं नंदी की स्थापना सम्पूर्ण विधि विधान से आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दोपहर 12 बजे की जावेगी। तत्पश्चात् महाआरती एवं प्रसादी का वितरण किया जायेगा। मंदिर समिति के राजेन्द्रसिंह झाला ने बताया कि तीन दिवसीय आयोजन के तहत शनिवार को हवन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जो यजमानो की उपस्थिति में आचार्यो द्वारा पूरे दिन विधि विधान के साथ किया गया। रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव परिवार की स्थापना की जावेगी। सोमवार को पूर्णाहूति के साथ विशाल भण्डारे का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में नगर की धर्मप्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर शिव परिवार के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करने का अनुरोध मंदिर समिति ने किया है। आयोजन को सफल बनाने में श्रीराम कॉलोनी के रहवासी एवं मंदिर समिति के सदस्य जुटे है

सेवा धाम आश्रम के 50 वृद्धजनों ने किए महाकाल दर्शन

उज्जैन/नवप्रदेश। सेवा धाम आश्रम (अंकित ग्राम) उज्जैन के 50 निशक्त एवं वृद्धजनों ने शनिवार को स्द्गह्व स्ह्वद्बड्ढइड्डद्यद्गह्व2ड्ढह ज्जद्गद्वश्चद्यद्ग पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। आश्रम प्रबंधन के सहयोग से सभी वृद्धजनों को सुव्यवस्थित रूप से मंदिर ले जाया गया, जहां उन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव से पूजन-अर्चन कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन के दौरान वृद्धजनों के चेहरे पर विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। आश्रम संचालकों ने बताया कि समय-समय पर वृद्धजनों को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने का उद्देश्य उन्हें आध्यात्मिक संबल और मानसिक शांति प्रदान करना है। दर्शन के बाद सभी को सुरक्षित आश्रम वापस लाया गया।

शास्त्र कला के ज्ञाता स्व. महादेव प्रसाद भारद्वाज जी की स्मृति में योग प्रदर्शन

उज्जैन/नवप्रदेश। अच्युतानंद प्रासादिक जीवाजी राव व्यायाम शाला भागसीपुरा के संचालक एवं जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व पार्षद श्री महादेव प्रसाद भारद्वाज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर संस्था के बालक बालिकाओं ने योगासन का प्रदर्शन किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुश्री आशा पवार जूडो प्रशिक्षक एवं यशवंत गुमास्ते जिमनास्टिक एवं योगासन प्रशिक्षक एवम अध्यक्षता गोपाल व्यास राष्ट्रीय कबड्डी कोच ने की इस अवसर पर श्रीमती रेखा खींची मनीष पवार कशिश खींची अलका भारद्वाज कु,. प्रीति, वेदांश, रियांश आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन अजय विपट ने किया आभार विनोद चौरसिया ने माना

पूर्णिमा श्री सेवा संगठन के नि:शुल्क शिविर अभियान में हजारों ने कराई हृदय जांच

विभिन्न अशासकीय अस्पतालों में हो रहा नि:शुल्क उपचार

तराना विधानसभा के जवासियाकुमार एवं उज्जैन शहर के वृंदावनपुरा व कोट मोहल्ला में शिविर संपन्न

तराना विधानसभा के बाद अब बड़नगर में भी गूंजेगा 'दिल से कहो अपने मोहनजी है न'

उज्जैन/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उपलब्धियों भरे ऐतिहासिक दो वर्ष के उपलक्ष्य में पूर्णिमाश्री सेवा संगठन द्वारा जिला प्रशासन के विशेष सहयोग से नि:शुल्क हृदय जांच शिविर अभियान 'दिल से कहो अपने मोहनजी है न' अंतर्गत हजारों नागरिकों ने अपने हृदय की जांच कराई, शिविरों में चिन्हित मरीजों का उपचार भी प्रारंभ हो गया है। 'इसी श्रृंखला में शनिवार को तराना विधानसभा में शिविरों की श्रृंखला प्रारंभ हुई एवं सोमवार 16 फरवरी से बड़नगर विधानसभा में भी शिविर आयोजित किये जाएंगे। अभियान के मुख्य संयोजक एवं पूर्व भाजपा जिला महामंत्री सत्यनारायण खोईवाल ने विस्तार से बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ यह अभियान संपूर्ण जिले में फैल रहा है। अभियान में अब तक संपन्न हुए शिविरों के अंतर्गत उज्जैन जिले के हजारों नागरिकों ने अपने हृदय की जांच कराई है। चिन्हित मरीजों का उज्जैन, देवास एवं इंदौर के अशासकीय अस्पतालों में उपचार

भी प्रारंभ हो चुका है। यह उपचार आयुष्मान अंतर्गत अधिसूचित अस्पतालों में पूर्णतः नि:शुल्क किया जा रहा है। खोईवाल ने आगे बताया कि अभियान अंतर्गत जिले की तराना विधानसभा में शनिवार को जवासिया कुमार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर हृदय जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र की जनता ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की एवं सैकड़ों लोगों की ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाईल, ईसीजी एवं ईको की जांच पूर्णतः नि:शुल्क रूप से की गई। ग्राम जवासिया कुमार के शिविर में पूर्णिमाश्री सेवा संगठन अध्यक्ष विक्रमसिंह गोंदिया, सोनू भाटिया, वरिष्ठ भाजपा नेता वासुदेव पांडे, लाड़सिंह गुर्जर, राजदीप चावड़ा, राजपालसिंह पंवार, नटवरलाल गुर्जर सहित बीएमओ प्रमोद अर्गल, संस्था प्रभारी दीपक जाटव, सुरेश राठौर सहित इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर के हृदय रोग विशेषज्ञ मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसी श्रृंखला में शनिवार को उज्जैन शहर के वृंदावनपुरा एवं कोट मोहल्ला स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक में भी अमलतास सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल देवास एवं गोकुलदास हॉस्पिटल इंदौर के सहयोग से शिविर आयोजित किये गये जिसमें सैकड़ों नागरिकों ने हृदय स्वास्थ्य से संबंधित जांचें कराई। इन शिविरों में हृदय रोग से संबंधित चिन्हित गंभीर मरीजों को उपचार हेतु अस्पतालों में भेजा गया है। अभियान के मुख्य संयोजक सत्यनारायण खोईवाल ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि 16 फरवरी सोमवार से बड़नगर विधानसभा में शिविरों की श्रृंखला प्रारंभ होगी। जिसमें सर्वप्रथम सिविल हॉस्पिटल बड़नगर में एसएन कृष्णा हॉस्पिटल के सहयोग से शिविर आयोजित किया जाएगा! बड़नगर में अभियान के आयोजन एवं तैयारियों के संबंध बैठक विधायक जितेंद्रसिंह पंड्या के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई एवं आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की। जिसमें बड़नगर विधानसभा के भाजपा मंडल अध्यक्षगण एवं पूर्णिमाश्री सेवा संगठन के अध्यक्ष विक्रमसिंह गोंदिया, विजय द्विवेदी, धर्मेन्द्रसिंह भदौरिया, विराग मिश्रा, शांतिलाल गोखरू सहित पूर्णिमाश्री सेवा

हाटकेश्वर धाम में गूंजेंगे कविता पौडवाल और अर्जुन पांडे के सुर, पारद शिवलिंग को लगेगा 56 भोग

आज हाटकेश्वर मंदिर में सजेगी भजन संध्या, कविता पौडवाल की मौजूदगी में होगा महाअभिषेक और 56 भोग

उज्जैन/नवप्रदेश। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सिंहस्थ बायपास रोड स्थित श्री हाटकेश्वर पारद महादेव मंदिर में भक्ति और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। मंदिर में पांच दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव के मुख्य दिन, आज रविवार 15 फरवरी को प्रसिद्ध पार्श्व गायिका कविता पौडवाल और सुप्रसिद्ध भजन गायक अर्जुन पांडे अपनी सुमधुर वाणी से बाबा भोलेनाथ के भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन को लेकर मंदिर समिति ने भव्य तैयारियां की हैं। मुख्य कार्यक्रम आज रविवार सुबह 10:30 बजे से शुरू होकर दोपहर 4:00 बजे तक चलेगा। इस दौरान महाअभिषेक, महाआरती और भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। श्रद्धालुओं के लिए फलाहारी और भोजन महाप्रसादी की व्यवस्था सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक रहेगी।

नि:शुल्क रुद्राक्ष वितरण और विशेष अनुष्ठान

मंदिर के पुजारी पं. कवींद्र भारद्वाज ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत सुबह 9 बजे से ही हो जाएगी, जिसमें संगीतमय हवनात्मक और अभिषेकात्मक लघु रुद्र शामिल हैं। श्रद्धालुओं को सिद्ध रुद्राक्ष मालाओं का नि:शुल्क वितरण भी किया जाएगा।

रत्नों से होगा बाबा का दिव्य श्रृंगार

हाटकेश्वर विहार कॉलोनी स्थित इस मंदिर में पारद सिद्ध शिवलिंग का महाशिवरात्रि पर विशेष श्रृंगार किया जाएगा। भगवान को 56 भोग अर्पित किए जाएंगे। अभिषेक के बाद भांग, मक्खन-मिश्री, सूखे मेवे, मृग चर्म और विभिन्न रत्नों व दिव्य आभूषणों से बाबा का श्रृंगार होगा। शाम 7:15 बजे विशेष संध्या आरती होगी। समाजसेवी महेश परियानी, दिलीप परियानी और अमित कावड़िया के संयोजन में हो रहे इस महोत्सव के लिए मंदिर परिसर, यज्ञशाला और पूरे मार्ग को तोरण द्वार, ध्वज और रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया है। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमियों से सपरिवार पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

महाशिवरात्रि पर 44 घंटे निरंतर दर्शन देंगे बाबा महाकाल

उज्जैन/नवप्रदेश। महाशिवरात्रि महापर्व पर Shri Mahakaleshwar Temple में भव्य तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मंदिर के पट रविवार तड़के 2:30 बजे खुलेंगे और 16 फरवरी रात 11 बजे तक लगातार 44 घंटे दर्शन जारी रहेंगे। इस दौरान पूजन-अर्चन और भस्मार्ती का क्रम चलता रहेगा।

महाशिवरात्रि पर बाबा महाकाल का विशेष दूल्हा शृंगार किया जाएगा। गर्भगृह में महापूजा के दौरान भगवान के शीश पर सवा मन फल-फूलों से बना सेहरा सजाया जाएगा तथा परंपरा अनुसार चांदी के सिक्के न्यौछावर किए जाएंगे। प्रशासन ने सुव्यवस्थित व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं को लगभग 40 मिनट में दर्शन कराने का लक्ष्य रखा है।

16 फरवरी को दोपहर 12 बजे साल में एक बार होने वाली विशेष भस्मार्ती होगी। इस दिन 3 क्विंटल फूलों से बना सेहरा भक्तों के बीच वितरित किया जाएगा। मान्यता है कि सेहरे के पुष्प घर में रखने से सुख-समृद्धि बनी रहती है।

दर्शनार्थियों के लिए कर्कराज पार्किंग से सामान्य प्रवेश रहेगा, जबकि 250 रुपए के शीघ्र दर्शन टिकटधारी श्रद्धालुओं को सम्राट अशोक सेतु व बड़े गणेश मंदिर मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्ग और निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

उज्जैन में स्मार्ट सिटी के कार्यों में लापरवाही पर भड़की युवक कांग्रेस, 'चक्काजाम' की दी चेतावनी

बहादुरगंज चौराहे पर खुदे जानलेवा गड्ढों को लेकर प्रशासन को अल्टीमेटम, कहा- नई कंपनी कर रही है लीपापोती

उज्जैन/नवप्रदेश। शहर में पिछले 8 वर्षों से चल रहे टाटा प्रोजेक्ट और स्मार्ट सिटी के कार्यों की कछुआ चाल और लापरवाही अब आम जनता के लिए आक्रोश का विषय बन गई है। शुक्रवार को युवक कांग्रेस ने बहादुरगंज चौराहे पर अस्त-व्यस्त निर्माण कार्यों और खुले पड़े गड्ढों को लेकर गहरा विरोध जताया और प्रशासन को उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्पित यादव ने कहा कि उज्जैन में टाटा

प्रोजेक्ट्स का कार्य विगत 8 वर्षों से चल रहा है, लेकिन अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान निर्माण कार्य के चलते हुए हादसों में कई लोगों की जान भी जा चुकी है। उन्होंने जानकारी दी कि टाटा प्रोजेक्ट्स का काम 3 साल के लिए बैन हो चुका है, लेकिन इसके बाद जिस नई कंपनी को ठेका दिया गया है, वह भी केवल 'लीपापोती' का काम कर रही है। अर्पित यादव ने बहादुरगंज चौराहे की स्थिति बताते हुए कहा कि, यहां सड़क के बीचों-बीच बड़े गड्ढे खुदे हुए हैं और मलबा फैला हुआ है। यहां यातायात का भारी दबाव रहता है, इसके बावजूद ठेकेदार कंपनी ने न तो गड्ढों को भरा है और न ही सुरक्षा के लिए कोई बैरिकेडिंग (घेराबंदी) की है। यह घोर लापरवाही कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्पित यादव ने स्पष्ट किया कि वे पहले भी प्रशासनिक अधिकारियों और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के जिम्मेदारों से निवेदन कर चुके हैं, लेकिन स्थिति जस की तस है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि कार्य की गति नहीं बढ़ाई गई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो आने वाले दिनों में युवक कांग्रेस के साथी सड़कों पर उतरकर 'चक्काजाम' करेंगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर मंगलनाथ व अंगारेश्वर मंदिर में भातपूजा रहेगी प्रतिबंधित

उज्जैन/ नवप्रदेश। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर शहर के प्रख्यात और में दर्शन एवं पूजन को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। हालांकि परंपरा के अनुसार दोनों मंदिरों में इस दिन भातपूजा पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। मंगलनाथ मंदिर के प्रबंधक केके पाठक ने बताया कि महाशिवरात्रि पर भातपूजा नहीं की जाएगी। इस संबंध में मंदिर परिसर में सार्वजनिक सूचना भी चस्पा कर दी गई है, ताकि श्रद्धालुओं को पूर्व जानकारी मिल सके। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में जलाभिषेक के लिए लिया जाने वाला 100 रुपये का शुल्क महाशिवरात्रि पर नहीं लिया जाएगा। श्रद्धालु निःशुल्क जलाभिषेक कर सकेंगे। दर्शन व्यवस्था के लिए एक ही कतार रहेगी। दिव्यांगजन, वृद्धजनों और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष प्रवेश द्वार की व्यवस्था की गई है। सुबह से दोपहर 2 बजे तक श्रद्धालु गर्भगृह में प्रवेश कर भगवान मंगलनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक कर सकेंगे।

विधायक द्वारा किया गया रासेयो के सप्तदिवसीय शिविर का समापन

नागदा जं./नवप्रदेश। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय, नागदा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम नायन में 8 फरवरी से आयोजित सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर का समापन समारोह शनिवार 14 फरवरी को संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक डॉ तेजबहादुर सिंह चौहान की गरिमामयी उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम नायन की सरपंच श्रीमती रेखा बाई, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के रासेयो समन्वयक डॉ शेखर मैदमवार एवं बिरला ग्राम के मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ पी भास्कर रेड्डी ने की। मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के पूजन और दीप प्रज्वलन के पश्चात् एन एस एस बैज लगाकर अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत भाषण में डॉ पी भास्कर रेड्डी द्वारा क्षेत्रीय विधायक के विकास

संबंधी विजन की प्रशंसा की गई। उन्होंने ग्राम की सरपंच श्रीमती रेखा बाई के द्वारा शिविर हेतु किए गए सहयोग की तारीफ की। बिरला ग्राम के मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेवकों द्वारा किए गए विभिन्न रचनात्मक कार्यों की सराहना की गई। क्षेत्रीय विधायक डॉ तेज बहादुर सिंह चौहान ने उद्बोधन से सभा में ऊर्जा का संचार कर दिया। उन्होंने विधायक स्वेच्छा अनुदान निधि से प्रत्येक शिविरार्थी को 500-500 रुपए देने की घोषणा की। उनके द्वारा रासेयो के स्वयंसेवकों को नए लक्ष्य का निर्धारण करने का आह्वान किया गया। महिमा, शिवानी, अर्चना, अर्पिता, स्वाति, अरुण, अनिकेत आदि स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी निधि नर्वाण द्वारा कराई गई। अंत में अतिथियों द्वारा शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया, तत्पश्चात् प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच रावले रामनाथ सिंह नरूका, भाजपा मंडल महामंत्री नागेंद्र सिंह नरूका, नायन सीएचओ डॉ हेमेंद्र सिंह चंद्रावत, वनरक्षक दीपक परमार सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ, मीडियाकर्मी एवं स्वयंसेवक उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

शिवनवरात्रि नवम दिवस पर महाकाल का दिव्य शिव तांडव मुखौटा श्रृंगार, संध्या आरती में उमड़ी श्रद्धा

उज्जैन/नवप्रदेश। शिवनवरात्रि के नवम दिवस पर ज्योतिर्लिंग Shri Mahakaleshwar Temple में भगवान श्री महाकालेश्वर का दिव्य श्री शिव तांडव मुखौटा श्रृंगार कर संध्या कालीन आरती संपन्न हुई।

मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात बाबा महाकाल को आकर्षक अलंकरण के साथ शिव तांडव स्वरूप में सजाया गया। संध्या आरती के समय मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से दर्शन लाभ लिया।

शिवनवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतिदिन अलग-अलग स्वरूपों में हो रहे श्रृंगार दर्शन के क्रम में नवम दिवस का यह अलौकिक तांडव स्वरूप भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मंदिर समिति द्वारा दर्शन व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की गई।

स्वत्वाधिकारी,प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नं. 03 नेशनल प्रेस एरिया लिंक रोड नं. 3 से मुद्रित कर ई -2/237 अरेरा कॉलोनी भोपाल से प्रकाशित मो. 9425237314 Email- navpradeshbhopal@gmail.com (न्याय क्षेत्र भोपाल)